दैनिक
नव प्रदेश
आदित्यवर्णं तमसः परस्तात्
प्रदेश के साथ पूरा देश...

www.navpradesh.com | बिलासपुर, मंगलवार 15 दिसंबर 2020, प्रतिपदा शुक्ल, विक्रम संवत-2077 वर्ष-06 अंक-241 पृष्ठ-08 मूल्य-3 रुपए | रायपुर, बिलासपुर, भोपाल, जबलपुर व रांची से एक साथ प्रकाशित

आज बेबाक

किसानों के एक दिवसीय भूख हड़ताल के समर्थन में कई विपक्षी पार्टियों के नेताओं ने एक दिन का उपवास किया। लेकिन उन्हे कोई कुछ नहीं कह रहा है। सब के सब नई दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के पीछे हाथ धो कर पड़ गए है और उनके उपवास को पाखंड बताकर उनकी खिल्ली उड़ा रहे है। यह अच्छी बात नहीं है। किसी के भी उपवास का उपहास करना कतई उचित नहीं है। प्रदेश और देश को केक समझकर काटकर और मिल बांट कर खाने वाले पेटू नेता यदि कुछ घंटे कुछ नहीं खाते तो उनका मजाक उड़ाने की जगह उनका हौसला बढ़ाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने सरगुजा जिले को दी 110 विकास कार्यों की सौगात

- 82 करोड़ रूपए लागत से बनेगी अम्बिकापुर-दरिमा-नवानगर 36 किलोमीटर सड़क मार्ग
- लगभग 26 करोड़ रूपए की लागत से 124 बसाहटों में सोलर आधारित नल-जल योजना का भी भूमिपूजन

सरगुजा/रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सरगुजा जिले के मुख्यालय अम्बिकापुर के राजीव गांधी शासकीय स्नात्कोत्तर महाविद्यालय मैदान में आयोजित कार्यक्रम में 633 करोड़ 88 लाख रूपए की लागत के 110 विभिन्न निर्माण एवं विकास कार्यों का लोकार्पण और भूमिपूजन किया। श्री बघेल इनमें से 559 करोड़ 84 लाख रूपए के 79 कार्यों का भूमिपूजन एवं 74 करोड़ 04 लाख रूपए की लागत के 31 कार्यों का लोकार्पण किया।

■ शेष पृष्ठ 6 पर

पूजा-पाठ

सरगुजा/रायपुर। मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल ने सरगुजा जिले के मुख्यालय अम्बिकापुर के महामाया मंदिर में पूजा-अर्चना कर प्रदेश की सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

19 दिन से जारी किसान आंदोलन से हलाकान मोदी सरकार को थोड़ी राहत

10 संगठनों ने कृषि कानूनों का किया समर्थन

नई दिल्ली। केंद्र के तीन नए कृषि कानूनों के खिलाफकिसानों का आंदोलन 19वें दिन भी जारी रहा। इस बीच विभिन्न राज्यों के 10 किसान संगठनों ने कृषि कानूनों को किसान हितैषी बता दिया। इन संगठनों ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की और अपना समर्थन पत्र सौंपा। इससे पहले हरियाणा और उत्तराखंड के किसानों का प्रतिनिधिमंडल भी कृषि मंत्री से मिल चुका है। रविवार को उत्तराखंड के 100 से ज्यादा किसानों का प्रतिनिधिमंडल तोमर से मिला और उनसे आग्रह किया कि इन किसान हितैषी कानूनों को निरस्त नहीं किया जाए। उधर, आंदोलनकारी किसान इन तीनों कानूनों को वापस लेने से कम पर सुलह करने को राजी ही नहीं हैं।

उत्तर प्रदेश, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, बिहार और हरियाणा जैसे राज्यों के 10 किसान संगठनों ने केंद्रीय कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर से मुलाकात की। ऑल इंडिया किसान को-ऑर्डिनेशन कमिटी के बैनर तले इन किसान संगठनों ने केंद्र सरकार के तीनों नए कृषि कानूनों का खुलकर समर्थन किया। उन्होंने कहा कि तीनों कानून किसानों के हित में हैं और इन्हें वापस नहीं लिया जाना चाहिए।

■ शेष पृष्ठ 6 पर

आंदोलन के 19वें दिन किसानों की भूख-हड़ताल

किसान नेताओं ने सोमवार को अलग-अलग जगहों पर एक दिवसीय भूख हड़ताल शुरू की और तीनों कृषि कानूनों को वापस करने के लिए केंद्र से कोई सकारात्मक संकेत नहीं मिलने की स्थिति में विभिन्न राज्यों में जिला कलेक्ट्रेट/उपायुक्तों के कार्यालयों के बाहर धरना प्रदर्शन किया। किसान संगठन कृषक (सशक्तीकरण और संरक्षण) कीमत आश्वासन और कृषि सेवा करार अधिनियम 2020, कृषक उपज व्यापार और वाणिज्य (संवर्धन और सरलीकरण) अधिनियम 2020 और आवश्यक वस्तु संशोधन अधिनियम 2020 का विरोध कर रहे हैं और इन्हें वापस लेने की मांग कर रहे हैं। सरकार इसके बजाय कानूनों में संशोधन करने के लिए तैयार है, मगर कानूनों को वापस लेने के लिए राजी नहीं है।

एक-एक लाउज पर बातचीत को तैयार : तोमर

कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि किसानों के साथ वार्ता की अगली तारीख तय करने के लिए सरकार उनसे संपर्क में है। तोमर ने कहा, 卐बैठक निश्चित रूप से होगी। हम किसानों के साथ संपर्क में हैं।卐 उन्होंने कहा कि सरकार किसी भी समय बातचीत के लिए तैयार है। किसान नेताओं को तय करके बताना है कि वे अगली बैठक के लिए कब तैयार हैं। उन्होंने कहा, हमने किसानों और किसान नेताओं को मनाने का प्रयास किया। हमारी इच्छा है कि वे प्रत्येक खंड पर बातचीत करने के लिए आएं। अगर वे हर खंड पर अपने विचार व्यक्त करने के लिए तैयार हैं तो हम विचार-विमर्श के लिए तैयार हैं।

आईआईटी मद्रास में फटा कोरोना बम

- संस्थान के 100 से ज्यादा लोग संक्रमित, संस्थान को किया गया बंद

चेन्नई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान मद्रास में कोरोना संक्रमण के अत्यधिक मामले सामने आने के बाद हड़कंप मच गया है। पिछले कुछ दिनों में यहां 100 से अधिक लोग कोरोना पॉजिटिव पाए गए हैं जिनमें से ज्यादातर विद्यार्थी हैं। बढ़ते कोरोना मामलों के चलते संस्थान के प्रबंधन को सभी विभागों को बंद करना पड़ा है। आईआईटी-एम के प्रबंधन ने सोमवार को सभी छात्रों को कोरोना जांच कराने को कहा है और यदि कोई छात्र कोरोना संक्रमित पाया जाता है तो उसे क्वारंटीन में भेजा जाएगा। तमिलनाडु के स्वास्थ्य सचिव जे राधाकृष्णन ने कहा कि कुल 104 विद्यार्थी और अन्य कुछ लोग कोरोना संक्रमण की चपेट में आए हैं। अस्पताल में सभी भी स्थिति ठीक है। संस्थान की ओर से जारी एक सकुर्लर में कहा गया है कि सभी विभाग, केंद्रों और लाइब्रेरी को तत्काल प्रभाव से अगले आदेश तक के लिए बंद कर दिया गया है। इस सकुर्लर में सभी संकाय सदस्यों, परियोजना स्टाफ सदस्यों और शोधकताओं को घर से काम करने की सलाह दी गई, जबकि छात्रों, विद्वानों और परियोजना स्टाफ सदस्यों को परिसर में और अपने छात्रावास के कमरों में खुद को सीमित रखने को भी कहा गया है। आईआईटी ने कहा कि छात्रावासों में केवल 10 प्रतिशत छात्रों को रखा जा रहा हैं और जैसे ही कोरोना मामलों में तेजी की सूचना मिली, उन्होंने छात्रावास के छात्रों को नागरिक अधिकारियों के परामर्श के बाद जांच कराने की व्यवस्था की।

खास- खबर

नवंबर में थोक मुद्रास्फीति की दर बढ़ी

नई दिल्ली (वार्ता)। बाजार में आवक सख्त रहने और मांग बढ़ने से नवंबर 2020 में थोक मुद्रस्फीति की दर 1.55 प्रतिशत पर दर्ज की गयी है जबकि इससे पिछले वर्ष के इसी माह में यह आंकड़ा 0.58 प्रतिशत था। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के सोमवार को यहां जारी आंकड़ों में बताया गया कि अक्टूबर 2020 में थोक मुद्रास्फीति की दर 1.48 प्रतिशत रही थी। चालू वित्त वर्ष में कोरोना महामारी के कारण खुदरा बाजार में मांग कम रही और अप्रैल से नवंबर 2020 तक अवधि में थोक मुद्रास्फीति की दर 0.28 प्रतिशत नकारात्मक रही है। हालांकि इससे पिछले वित्त वर्ष की इसी अवधि में यह आंकडा 1.40 प्रतिशत रहा था। आंकड़ों के अनुसार नवंबर 2020 में खाद्य वस्तुओं की थोक मुद्रास्फीति की दर 4.27 प्रतिशत हो गयी है। अक्टूबर 2020 में यह 5.78 प्रतिशत थी।

सरकार का आर्थिक पैकेज भी जुमला साबित हुआ : राहुल

नई दिल्ली (वार्ता)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा है कि कोरोना संकट के दौरान सरकार ने जो 20 लाख करोड़ रुपए का आर्थिक पैकेज घोषित किया वह जमीन पर नहीं उतरा और घोषणा करने में माहिर सरकार का यह पैकेज भी जुमला साबित हुआ। श्री गांधी ने ट्वीट किया, चुनावी जुमला- 15 लाख अकाउंट में, कोरोना जुमला- 20 लाख करोड़ का पैकेज। इसके साथ ही उन्होंने एक खबर पोस्ट की है जिसमें सूचना के अधिकार-आरटीआई के तहत मांगी गई जानकारी में सरकार ने बताया है कि इस साल मई में जो 20 लाख करोड़ रुपए के आर्थिक पैकेज की घोषणा कोरोनो से निपटने के लिए की गई थी उसका महज 10 फ़ीसदी पैसा ही वितरित हुआ है।

आईईडी ब्लास्ट से घायल सीआरपीएफडिप्टी कमान्डेंट शहीद

नवप्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सुकमा में आईईडी ब्लास्ट से कल घायल सीआरपीएफ के डिप्टी कमान्डेंट विकास कुमार का देर रात राजधानी के एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। राज्य के घुर नक्सल प्रभावित सुकमा जिले में तैनात सीआरपीएफ की 208 कोरबा बटालियन को कल किस्टाराम के कांसानाला के पास आईईडी बम होने की सूचना मिली थी,जिसके बाद बटालियन की टीम ने डिप्टी कमान्डेंट विकास कुमार ने मौके पर पहुंच कर बम बरामद किया।बम निष्क्रिय करते समय फट गया,जिसमें डिप्टी कमान्डेंट विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए थे। श्री कुमार को घायलावस्था में कल शाम लाकर राजधानी के एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया था,जहां देर रात उन्होने दम तोड़ दिया।शहीद डिप्टी कमान्डेंट को आज माना विमानतल के निकट स्थित माना चौथी बटालियन में श्रद्धांजलि आर्पित की गई।

जीमेल, यूट्यूब और गूगल दुनिया भर में डाउन, यूजर्स परेशान

नई दिल्ली। जीमेल, यूट्यूब और गूगल की सर्विसेज डाउन हो गई हैं। भारत समेत दुनिया भर में यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वेबसाइट को ट्रैक करने वाली डॉउन डायरेक्टर के मुताबिक, दुनिया भर के गूगल यूजर्स पर असर पड़ा है। सर्विसेज डाउन होने के बारे में अभी तक गूगल की कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। इस परेशानी के बारे में यूट्यूब को रिपोर्ट करने वाले 54 फीसदी यूजर्स का कहना है कि वे वेबसाइट्स में एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं।

वहीं, 42 फीसदी यूजर्स का कहना है कि वह यूट्यूब पर विडियो नहीं देख पा रहे हैं। जबकि 3 फीसदी यूजर्स का कहना है कि उन्हें लॉगिन में दिक्कत आ रही है। जीमेल और यूट्यूब एक्सेस करने की कोशिश की, लेकिन लॉगिन प्रॉब्ल्म देखने को मिली। डॉउन डायरेक्टर के मुताबिक, जीमेल, गूगल और यूट्यूब करीब 5 बजे डाउन हुए। भारत, अमेरिका, यूरोपियन यूनियन, ऑस्ट्रेलिया समेत दुनिया भर के यूजर्स ने सर्विसेज डाउन होने की शिकायत की है।

भारत ने चीन को वापस जाने पर मजबूर किया

हम हर चुनौती से निपटने में सक्षम : राजनाथ

- राजनाथ सिंह ने कहा कि भारतीय बलों ने चीनी सैनिकों की आक्रमकता का मुहंतोड़ जवाब दिया
- रक्षा मंत्री ने कहा कि पूर्वी लद्दाख में एलएसी पर चीन की पीएलए को अपने कदम वापस खींचने पड़े
- उन्होंने कहा कि चीन अपने शक्ति प्रदर्शन से पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र का माहौल अस्थिर कर चुका है

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा पर भारतीय सशस्त्र बलों ने चीनी सेना का पूरी बहादुरी के साथ सामना किया और उन्हें वापस जाने को मजबूर किया। उन्होंने कहा कि शक्ति-प्रदर्शन की चीन की दुस्साहसिक प्रवृत्ति से पूरे क्षेत्र में अनिश्चितता का माहौल बन गया है।

बिना उकसावे के चीन ने दिखाई आक्रामकता

'हमारे हिमालयी क्षेत्र में अकारण आक्रमकता से पता चलता है कि दुनिया किस तरह बदल रही है, किस तरह समझौते तार-तार हो रहे हैं, किस तरह न सिर्फ हिमालय बल्कि पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ताकत का प्रदर्शन किया जा रहा है और ऐसी पृष्ठभूमि में क्षेत्री का भविष्य कितना अनिश्चित हो गया है। सिंह ने कहा, 卐हिमालय की हमारी सीमाओं पर बिना किसी उकसावे के अक्रामकता दिखाती है कि दुनिया कैसे बदल रही है, मौजूदा समझौतों को कैसे चुनौती दी जा रही है।

भारतीय सेना ने अनुकरणीय साहस दिखाया

रक्षा मंत्री ने कहा, उन्होंने पीएलए (पीपल्स लिबरेशन आर्मी) का पूरी बहादुरी से सामना किया और उन्हें वापस जाने को मजबूर किया। हमारे बल ने इस साल जो हासिल किया, उस पर देश की आने वाली पीढ़ियों को गर्व होगा।卐 सिंह ने बिना विस्तृत जानकारी दिए कहा कि भारतीय सेना ने चुनौतियों का सामना करने में अनुकरणीय साहस और उल्लेखनीय धैर्य दिखाया। उन्होंने पाकिस्तान के राज्य प्रायोजित आतंकवाद पर शुरुआत में दुनिया की अनदेखी का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 卐हम सीमा पार आतंकवाद के शिकार रहे हैं। हमने यह लड़ाई तब भी अकेले लड़ी है जब किसी ने हमें समर्थन नहीं दिया था। लेकिन बाद में उन्हें समझ आ गई कि पाकिस्तान आतंकवाद की जननी है।

आस्था | राम वन गमन पथ का अनुसरण करेगी रैली

छत्तीसगढ़ के दोनों छोरों से पर्यटन रथ यात्रा और बाइक रैली

- श्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजन
- उत्तर और दक्षिण से एक साथ शुरु होगी यात्राएं 4 दिनों में 1575 किलोमीटर की दूरी तय होगी

रायपुर। राम वन गमन पथ पर्यटन रथ-यात्रा और विराट बाइक रैली आज 14 दिसम्बर को प्रदेश के उत्तर और दक्षिण दोनों छोरों से एक साथ शुरू हो रही है। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नेतृत्व वाली सरकार के कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर इस रैली का आयोजन 14 से 17 दिसंबर तक किया जा रहा है।

4 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा में 1575 किलोमीटर की दूरी तय की जाएगी। रैली 14 दिसंबर को राज्य के दो सिरों से क्रमशः उत्तर स्थित कोरिया जिले के सीतामढ़ी-हरचैका तथा दक्षिण स्थित सुकमा जिले के रामाराम से शुरु होगी।

बाईक रैली कोरिया जिले के सीतामढ़ी पहुंची

सीतामढ़ी हरचैका से शुरू होकर चन्दखुरी पहुंचने वाली रैली 14 दिसम्बर को कोरिया जिले के सीतामढ़ी हरचैका से राष्ट्रीय राज मार्ग 43 में कोरिया जिले की सीमा शिवप्रसाद नगर तक 164 किलोमीटर की यात्रा करेगी। सूरजपुर जिले के शिवप्रसाद नगर से राष्ट्रीय राज मार्ग 16 लांजा के पास जिला सूरजपुर सीमा तक 30 किलोमीटर, राष्ट्रीय राज मार्ग 16 लांजा से राष्ट्रीय राज मार्ग 43 गुटुरमा के पास जिला सरगुजा सीमा तक 160 किलोमीटर, राष्ट्रीय राज मार्ग 43 गुटुरमा से राष्ट्रीय राज मार्ग-1 चरकापारा के पास जिला जशपुर सीमा पहुंचेगी।

प्रदेश के अनेक जिलों से गुजरेगी रैली

राज्य के दक्षिण में स्थित सुकमा जिले के रामाराम से शुरू होकर चन्दखुरी पहुंचने वाली रथ यात्रा और बाईक रैली 14 दिसम्बर को सुकमा जिले के रामाराम से तोंगपाल के पास जिला बस्तर सीमा तक 50 किलामीटर, बस्तर जिले के तोंगपाल से बास्तनार के पास दन्तेवाड़ा सीमा तक 85 किलोमीटर एवं दन्तेवाड़ा जिले के बास्तानार से बारसूर के पास जिला बस्तर सीमा तक 70 किलोमीटर की दूरी तय करेंगी। 16 दिसम्बर को कांकेर जिले के राष्ट्रीय राज मार्ग 30 कोमलपुर से राष्ट्रीय राज मार्ग 6 के झुनझरा के पास जिला धमतरी सीमा तक 50 किलोमीटर, धमतरी जिले के राष्ट्रीय राज मार्ग 6 झुनझरा से सिहावा-नवापारा के पास धमतरी सीमा तक 141 किलोमीटर, गरियाबंद जिले के सिहावा-नवापारा से राजिम तक 03 किलोमीटर और 17 दिसम्बर को राजिम-आरंग-चन्दखुरी 64 किलोमीटर की दूरी तय करेगी।

कमलनाथ बोले- अब मैं आराम करना चाहता हूं, मैंने काफी कुछ हासिल किया

छिंदवाड़ा। मध्य प्रदेश के विधानसभा उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस पार्टी हताशा में नजर आ रही है। प्रदेश में कांग्रेस के सबसे बड़े नेता पूर्व मुख्यमंत्री व वर्तमान में प्रदेशाध्यक्ष कमलनाथ के बयान से तो ऐसा ही लगता है। कमलनाथ ने एक रैली में कहा कि वो अब आराम चाहते हैं, जिसके कई सियासी मायने निकाले जा रहे हैं। छिंदवाड़ा में समर्थकों को संबोधित करते हुए कमलनाथ ने राजनीति छोड़ने के संकेत दिए। उन्होंने कहा कि अब मैं आराम करना चाहता हूं, मैंने काफी कुछ हासिल किया है। दरअसल प्रदेश की सत्ता गंवाने व उपचुनाव में मिली करारी हार के बाद कांग्रेस में लगातार कमलनाथ के खिलाफ आवाजें उठ रही हैं। ऐसे में उनके इस बयान के कई तरह मायने निकाले जा रहे हैं। कमलनाथ सिर्फकोई पद छोड़ने की बात कर रहे हैं या फिर राजनीति से विदाई लेने की बात कर रहे हैं, इसपर कयास लग रहे हैं।

न्यूज गैलरी

सोमवती अमावस्या का पर्व धूमधाम से मनाया गया

मुंगेली (नव प्रदेश)। नगर मे आज सोमवती अमावस्या का पर्व बडे ही धूमधाम से मनाया गया सोमवती अमावस्या के ज्योतिषशास्त्र में जो अमावस्या सोमवार में आती है उसे सोमवती अमावस्या कहा गया है। इस दिन दान और स्नान का बहुत महत्व माना जाता है। इस दिन लोग अपने पितरों की आत्मा की शांति के लिए नदी में स्नान और प्रार्थना करते हैं। स्नान के बाद पितरों के नाम से दान भी किया जाता है साथ ही इस दिन पति की लंबी आयु के लिए व्रत भी किया जाता है।

सोमवती अमावस्या का महत्व -सोमवती अमावस्या की प्रचलित कथाओं के अनुसार महाभारत में भीष्म ने युधिष्ठिर को इस दिन का महत्व बताते हुए कहा था कि जो भी मनुष्य इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करेगा उसे हर तरह से सुखी-समृद्धि की प्राप्ति होगी। उसे सभी प्रकार के रोग और दुखों से मुक्ति प्राप्त होगी। माना जाता है कि इस दिन पवित्र नदियों में स्नान करने और उसके पश्चात दान करने से पितरों की आत्मा को शांति प्राप्त होती है। इस दिन व्रत करने का भी विधान है।

10 वी व 12 वी ओपन परीक्षा फार्म भरने की अंतिम तिथि 5 जनवरी

फार्म कार्यालय अवधि में शा.उ.मा.कन्या शाला मुंगेली से प्राप्त किया जा सकता है

मुंगेली। हाई स्कूल व हायर सेकेण्डरी स्कूल के ओपन परीक्षा हेतु फार्म भरना आरंभ हो गया है फार्म भरने की तिथि 5 दिसम्बर से 5 जनवरी 2021 तक बतायी गई है। परीक्षा में शामिल होने वाले छात्र ओपन स्कूल का परीक्षा फार्म शा.कन्या उ.मा. शाला मुंगेली से कार्यालयीन अवधि में अवकाश के दिनो को छोड़कर दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक प्राप्त कर सकते है। उक्त आशय की जानकारी प्रभारी प्राचार्य व्ही.एन.वैष्णव ने दी है।

नायब तहसीलदार को निलंबित करने आयुक्त बिलासपुर संभाग को अनुशंसा

मुंगेली (नव प्रदेश)। जिले के पथरिया अनुभाग उप तहसील अमोरा में पदस्थ रमेश कुमार कमार नायब तहसीलदार द्वारा दिये गए निर्देश के बावजूद अपने राजस्व सर्किल में धान खरीदी केन्द्रों में निरीक्षण नही करने व 11 दिसम्बर को निरीक्षण में बिना अनुमति के मुख्यालय में अनुपस्थित पाये जाने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही करते हुए तत्काल प्रभाव से निलबिंत करने की अनुशंसा कलेक्टर मुंगेली ने करते हुए आयुक्त बिलासपुर को पत्र भेजा है।

ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी पीपरलोड निलंबित हुए

वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी व उप संचालक कृषि को भी शो काज नोटिस जारी

मुंगेली (नव प्रदेश)। कलेक्टर मुंगेली ने पथरिया विकास खण्ड के ग्राम पीपरलोड़ के ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी अमित राज राठौर को गोधन न्याय योजना का प्रभावी क्रियान्वयन नही करने व सचिव कृषि सह. आयुक्त के भम्रण के दौरान अनुपस्थित के कारण कार्य में उदासीनता एवं लापरवाही के चलते तत्काल प्रभाव से निलबिंत कर दिया गया है। निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी पथरिया जिला मुंगेली में नियत किया गया है। निलंबन अवधि में उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता पाने की पात्रता होगी। इसके साथ ही कलेक्टर ने ग्राम पीपरलोड़ में गोधन न्याय योजना का शासन के निर्देशों के तहत क्रियान्वयन नही होने पर पथरिया के वरिष्ठ कृषि विस्तार अधिकारी आर.बी.साहू को 7 दिनों के भीतर स्पष्टीकरण देने हेतु निर्देश दिया गया है। संतोषप्रद जवाब नही मिलने पर अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव भेजने की चेतावनी भी दी गई है। इसी प्रकरण में उप संचालक कृषि जिला मुंगेली को शो काज नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण मांगा गया है स्पष्टीकरण प्राप्त नही होने की स्थिति में अनुशासनात्मक कार्यवाही हेतु प्रस्ताव भेजने की चेतावनी कलेक्टर मुंगेली द्वारा दी गई है।

जवाहर नवोदय विद्यालय में ऑनलाईन फार्म कार्य जारी

मुंगेली (नव प्रदेश)। जवाहर नवोदय विद्यालय चातरखार में वर्ष 2020-21 के लिए कक्षा छठवीं में प्रवेश हेतु ऑनलाईन फार्म भरा जा रहा है। जिसकी अंतिम तिथि 15 दिसंबर निर्धारित है। नवोदय विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य केडी साहू ने बताया कि प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थी नवोदय विद्यालय समिति के वेबसाइट के माध्यम से अपना आवेदन ऑनलाईन भर सकते है।

कोरोना के 2 संक्रमित मरीज पाये गए, जिले में कोरोना मरीज की संख्या 3928 पहुंची

मुंगेली (नव प्रदेश)। कोरोना का संक्रमण लगातार जारी है व घटते क्रम में है 212 सेम्पल की जांच की गई जिसमें रविवार को सबसे कम 2 लोग ही संक्रमित पाये गए है और कोरोना संक्रमण की संख्या 3928 पहुंच गई। जिसमें मुंगेली विकास खण्ड के 0, लोरमी विकास खण्ड के 1, व पथरिया विकास खण्ड के 1 है। जिससे कोरोना संक्रमित लोगो की संख्या बढ़ कर 3928 हो गई है। जिसमें से 3787 स्वस्थ होकर डिस्चार्ज हो चुके है। जिसके पश्चात एक्टिव मरीज की संख्या 117 रह गई है। होम आइसोलेशन में कोरोना मरीजों की संख्या 3304 है, होम आइसोलेशन से रिकवर मरीजों की संख्या 3189 है, होम आइसोलेशन से रिफर मरीजों की संख्या 25, होम आइसोलेशन में मृत्यु मरीजों की संख्या 3, आज की स्थिति में होम आइसोलेशन में पॉजीटिव मरीजों की संख्या 87 है। जिले में कोरोना से मरने वालों की संख्या 24 पर स्थिर है।

'एक मोबाइल का दान शिक्षा के लिए वरदान ' अंतर्गत 3 स्मार्टफोन किए दान

रायगढ़ (नव प्रदेश)। लॉकडाउन और कोरोना वैश्विक महामारी से उपजे कठिन हालात में जरूरतमंद बच्चों की ऑनलाइन पढ़ाई के लिए कलेक्टर श्री भीम सिंह की सराहनीय पहल 'एक मोबाइल का दान शिक्षा के लिए वरदान ' महाभियान अंतर्गत ऐसे जरूरतमंद बच्चे जिनके पास स्मार्ट मोबाइल नहीं है और बच्चे स्मार्ट मोबाइल की वजह से ऑनलाइन क्लासेस व पढ़ाई से वंचित रह जा रहे हैं, उन बच्चों के लिए मोबाइल की व्यवस्था करने की शुरूआत की है। वार्ड क्रमांक 8 की पार्षद श्रीमती रूकमणी साहू उर्फ ननकी नोनी बाई ने कलेक्टर श्री भीम सिंह के समक्ष उपस्थित होकर तीन नए स्मार्टफोन दान किया है ताकि जरूरतमंद बच्चे पढ़ाई से वंचित ना रहे और बेहतर तरीके से पढ़ाई कर सकें। इस मौके पर वार्ड पार्षद ननकी नोनी बाई ने बताया कि पारिवारिक परिस्थितियों के चलते स्वयं ज्यादा शिक्षा ग्रहण नहीं कर पायीं।

होम आइसोलेशन का पूरा ख्याल रख रही जतन की टीम

17 दिनों की सतत निगरानी करने वाली टीम थकी पर हारी नहीं है

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। जिले में कोरोना महामारी से निपटने के लिए अस्पतालों में बिस्तरों की संख्या तो बढ़ाई गई लेकिन यह भी सच है कि गहन चिकित्सा के मद्देनज़र स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या उतनी नहीं थी जो इतनी अधिक संख्या में आ रहे कोरोना वायरस मरीज़ों की देखभाल कर सकें। ऐसे में अस्पतालों ने हर उपलब्ध डॉक्टर को इसके लिए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी। वो चाहे डेंटिस्ट रहा हो ईएनटी डॉक्टर रहा हो या फिर एनेस्थिसिय देने वाला। हर किसी को कोविड-19 से मुक़ाबले के लिए प्रैक्टिकल ट्रेनिंग दी गई। ऐसे ही कुछ लोग हैं जतन केंद्र रायगढ़ के जिनमें डॉ.

सिद्दार्थ सिन्हा (न्यूरो-फिजियोथेरेपिस्ट), डॉ. विवेक उपाध्याय (डेंटिस्ट),डॉ. कृष्ण कमल चौधरी (होम्योपैथी), दीपक गिरी गोस्वामी (टीबी काउंसलर), अतीत राव (मेंटल हेल्थ काउंसलर), संतोष पांडेय। यहां पदस्थ कर्मी अपनी जतन केंद्र की ड्यूटी यानी 0-18 के बच्चों का इलाज करने के साथ ही कोरोना के होम आइसोलेशन के मरीजों को मॉनिटरिंग पूरी जिम्मेदारी से कर रहे हैं। होम आइसोलेशन में रह रहे मरीजों की 17 दिन तक सतत निगरानी जतन केंद्र की यह टीम करती है। मरीज का ऑक्सीजन, पल्स स्तर और टेम्परेचर की निगरानी यही टीम करती है और जरूरत करने पर उन्हें रेफर करती है। वीडियो कॉल के जरिए लोगों के बाथरूम की सफाई और उनका हालचाल यही लोग पूछते हैं।होम आइसोलेशन में रह रहे मरीज को जब भी किसी दवा की जरूरत होती है या फिर कोरोना के अलावा कोई और बीमारी हो गई तो दवा एक कॉल पर यह टीम उस घर तक पहुँच जाते हैं। टेली काउंसिलिंग के जरिए मानसिक स्वास्थ्य के काउंसलर अतीत राव और संतोष पाण्डेय मरीज़ों को ढाढस बंधाते हैं कि सब कुछ बहुत जल्दी ठीक ही जायेगा। एक समय ऐसा भी आया था कि 1,000 के करीब मरीज़ रोज़ कई बार फ़ोन करते और दोनों उनसे उतनी ही विनम्रता से बात करते।

प्रदेश लिपिक वर्गीय संघ ने मुख्यमंत्री को सौपा ज्ञापन

नव प्रदेश संवाददाता

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश लिपिक वर्गीय शासकीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारियों द्वारा मुख्यमंत्री के सरगुजा संभाग के प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को बिलासपुर लिपिक अधिवेशन में लिपिक वेतनमान सुधार की घोषणा को याद दिलाते हुए ज्ञापन सौंपा, संघ के प्रदेश अध्यक्ष रोहित तिवारी ने बताया की 17 फरवरी 2019 को मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने लिपिक महाधिवेशन में प्रदेश के लिपिकों के वेतनमान सुधार की घोषणा की थी जिस पर समय-समय पर संघ द्वारा ध्यानाकर्षण किया गया परिणाम स्वरूप मुख्यमंत्री सचिवालय ने घोषणा की पुष्टि हेतु जिला प्रशासन बिलासपुर को पत्र लिखा जिला प्रशासन बिलासपुर द्वारा घोषणा की पुष्टि की गई परंतु लिपिक वेतन मान की सुधार से अभी तक प्रदेश के लिपिक वंचित है अभी तीन दिवसीय सरगुजा प्रवास में मुख्यमंत्री भूपेश बघेल जी को जिला कोरिया, जिला बलरामपुर एवं जिला सरगुजा के साथियों ने ज्ञापन सौंपकर मुख्यमंत्री से उनके द्वारा की गई घोषणा के क्रियान्वयन का निवेदन किया और मुख्यमंत्री द्वारा तीनों जिलों के पदाधिकारियों को कहा कि बिलासपुर में लिपिक वेतनमान सुधार का वादा उन्हें याद है और शीघ्र ही लिपिकों के वेतनमान की पीड़ा का निराकरण किया जाएगा श्री तिवारी ने बताया की 11 दिसंबर को कोरिया जिले के जिलाध्यक्ष सादिक अंसारी, 12 दिसंबर को बलरामपुर जिले के जिलाध्यक्ष रमेश तिवारी एवं 13 दिसंबर सरगुजा अंबिकापुर के जिलाध्यक्ष अखिलेश सोनी के नेतृत्व में संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला।

कबड्डी मानसिक और शारीरिक पराक्रम वाला खेल : निखिलकांत

महासमुंद (नव प्रदेश)। ग्राम मचेवा में युवा संगठन के तत्वावधान में दो दिवसीय कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नगर पालिका पार्षद निखिलकांत साहू, समाज सेवक राकेश चंद्राकार, अध्यक्षता गौकरण साहू, विशेष अतिथि आनंद साहू, परमानंद साहू, दिलीप तिवारी, दामू साहू, नीतीश साहू आदि थे। स्पर्धा में प्रथम पुरुस्कार 7000 रु, द्वितीय 5000 रु , तृतीय 3000 रु रखा गया है। शुभारंभ मैच मचेवा और पसौद के बीच खेला गया जिसमें टीम मचेवा विजयी हुई। इस अवसर पर योगेश ध्रुव, प्रदीप साहू आदि उपस्थित थे। निखिलकांत ने कहा कि कबड्डी मानसिक और शारीरिक पराक्रम वाला खेल है। ऐसी प्रतियोगिता लगातार होनी चाहिए, जिससे युवाओं को अपनी प्रतिभा निखारने का मौका मिल सके। सभी प्रतिभागी खेल भावना से खेलते हुए कड़ी मेहनत के बल पर फाइनल में पहुंचने का प्रयास करें।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को सफल बनाने की अपील

नव प्रदेश संवाददाता

नारायणपुर। जिले में जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरूआत आज 15 दिसम्बर 2020 से हो रही है, जो आगामी 31 जनवरी 2021 तक संचालित की जायेगी। कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने के सफल क्रियान्वयन हेतु क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पंचायत पदाधिकारियों सहित आम नागरिकों से आग्रह करते हुए अपील की है कि इस अभियान को सफल बनाने में अपनी महती भूमिका निभायें और जिले को मलेरिया मुक्त करने में स्वास्थ्य एवं जिला प्रशासन की मदद करें। कलेक्टर श्री सिंह ने आमजन से अपील करते हुए कहा कि जब मलेरिया जांच दल आपके घरों में दस्तक दे, तो आप अपने परिवार के सभी सदस्यों की मलेरिया जांच अवश्य करायें। पॉजिटिव पाये जाने पर जांच दल द्वारा दी गयी दवाईयों की पूरी खुराक समय पर लें, अधूरा न छोड़ें। अधूरा छोड़े जाने की स्थिति में मलेरिया के वायरस शरीर पर पुनः हावी होकर आपको मलेरिया से ग्रसित कर देंगे। इसलिए जरूरी है कि दल/चिकित्सकों द्वारा दी गयी सलाह के अनुसार ही दवाईयों का सेवन करें। मितानिनें आपके द्वारा पूरी दवाईयां निर्धारित समय एवं दिनों तक ली गयी है या नहीं इसकी जानकारी रखेंगी। आपके गांव में कार्यरत मितानिनें आपका पूरा सहयोग करेंगी। अभियान के पश्चात मलेरिया के प्रकरणों में कमी आई है, जाहं सभी धनात्मक प्रकरणों को समुल एवं पूर्ण उपचार किया गया तथा उनका फालोअप कर मलेरिया परजीवि को नष्ट करने हेतु मास स्क्रीनिंग अभियान के माध्यम से मलेरिया संक्रमण दर को रोकने में सफल हुए हैं साथ ही उन क्षेत्रों में रहने वाले रोगियों का पूर्ण दवा-खुराक खिलाकर उपचार किया गया था।

मुख्यमंत्री ने जिले में 247 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण एवं शिलान्यास

नव प्रदेश संवाददाता

बलरामपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज बलरामपुर-रामानुजगंज जिले के प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय बलरामपुर के हाईस्कूल ग्राउण्ड में आयोजित कार्यक्रम में जिले को 247 करोड़ 61 लाख रूपये के विकास कार्यों की सौगात दी। श्री बघेल इनमें से 87 करोड़ 32 लाख रूपए की लागत के 29 निर्माण कार्यों का लोकार्पण और 160 करोड़ 29 लाख रूपए की लागत के 66 कार्यों का भूमि-पूजन और शिलान्यास किया।

मुख्यमंत्री श्री भूपेश बघेल बलरामपुर में आयोजित कार्यक्रम में पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग द्वारा ग्राम भेलवाडीह में 25 लाख 90 हजार की लागत से पेपर ब्लॉक निर्माण कार्य भाग-1 एवं 2, 2 करोड़ 50 लाख की लागत से जरहाडीह खास से चिरकोमा सड़क के बेसना नदी पर पूल

निर्माण, 2 करोड़ 58 लाख की लागत से पचावल से कोटपाली सड़क पर स्थित बांकी नदी पर पुल निर्माण, 85 लााख की लागत से इन्द्रपुर रोड से नीलकंठपुर यादवपारा सड़क स्थित खरबोर नाला पर पुल निर्माण, 1 करोड़ 71 लाख की लागत से बलंगी नवाटोला से झापर गोड़पारा स्थित वरन नदी पर पुल निर्माण, 1 करोड़ 64 लाख की लागत से कमलपुर से पटेवाखास सड़क स्थित चिकरा नदी पर पुल निर्माण, 1 करोड़ 42 लाख की लागत से पण्डरी खास से पण्डरी पहाड़डीह सड़क स्थित बहेरा नाला पर पुल निर्माण, 3 करोड़ 10 लाख की लागत से अम्बिकापुर रामानुजगंज रोड से महुआडांड नावापरा सड़क स्थित सांसू नदी पर पुल निर्माण, 2 करोड़ 69 लाख की लागत से शारदापुर अमण्डा से सरहूलखास सड़क स्थित इरिया नदी पर पुल निर्माण, स्वास्थ्य विभाग द्वारा 69 लाख की लागत से प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन मनोहरपुर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भवन मनोहरपुर के लिए 30 लाख की लागत से 2जी टाईप स्टाफक्वाटर व 27 लाख की लागत से 2एच टाईप स्टाफ क्वाटर, प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र भरतपुर में 30 लाख की लागत से 2जी टाईप स्टाफ क्वाटर व 27 लाख की लागत से 2एच टाईप स्टाफ क्वाटर, प्राथमिक स्वास्थय केन्द्र जवाहरनगर में 30लाख की लागत से 2जी टाईप स्टाफक्वाटर व 27 लाख की लागत से 2एच टाईप स्टाफ क्वाटर और आदि कार्यो का हुआ लोकापर्ण।

कलेक्टर ने की विभिन्न धान खरीदी केंद्रो की समीक्षा

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। कलेक्टर पी.एस एल्मा ने कलेक्टोरेट स्थित मनियारी कक्ष में धान खरीदी केंद्रो के लिए नियुक्त जिला स्तरीय नोडल अधिकारियो और धान खरीदी प्रभारियों की बैठक लेकर धान खरीदी कार्यो की समीक्षा की। बैठक में उन्होने कहा कि जिले में बेमौसम बारिश होने की संभावना प्रतीत हो रहा है। इस हेतु धान उत्पार्जन केंद्रो में भंडारित धान की सुरक्षा और बचाव के संबंध में ड्रेनेज सिस्टम, कैप कव्हर और जल निकासी व्यवस्था को सुदृढ करने के निर्देश दिये। बैठक में उन्होने कहा कि डेऊनेज सिस्टम और कैप कव्हर के कारण यदि भंडारित धान खराब होती है तो संबंधितों की जिम्मेदारी मानते हुए उन पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में उन्होने धान उपार्जन केंद्रो के लिए निर्धारित मात्रा में धान खरीदी के संबंध में जानकारी प्राप्त की। बैठक में उन्होने पहले छोटे और सीमांत किसानों का ही धान खरीदी हेतु टोकन जारी करने और बारदाने की उपलब्धता के बारे में भी जानकारी प्राप्त की। बैठक में उन्होने पडोसी राज्यों से धान की आवक पर लगातार निगाह रखने तथा अवैध रूप से धान विक्रय करने वालो की विरूद्ध कार्यवाही करने की भी बात कहीं। इसी तरह उन्होने कौचियों एवं बिचौलियों पर निगाह रखने के निर्देश दिये। इस अवसर पर अपर कलेक्टर राजेश नशीने, सहायक पंजीयक सहकारी संस्थाएं उत्तर कुमार कौशिल, सीसीबी के नोडल अधिकारी संतोष ठाकुर, जिला खाद्य अधिकारी विमल दुबे सहित विभिन्न खरीदी केंद्रो के लिए नियुक्त जिला स्तरी नोडल अधिकारी और धान खरीदी प्रभारी उपस्थित थे।

नेशनल लोक अदालत में कुल 459 प्रकरण रखे गये थे, 86 प्रकरणों का निराकरण हुआ

बैंक रिकव्हरी 03 केसों में लगभग 26 लाख 34 हजार 166 रूपये का अवार्ड पारित

नव प्रदेश संवाददाता

मुंगेली। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मुंगेली के सचिव सुषमा लकड़ा ने जानकारी दी कि दिनांक 12.12.2020 को ई/ व्ही.सी. नेशनल लोक अदालत में राजीनामा योग्य प्रकरणों में सफलतापूर्वक राजीनामा सम्पन्न हुआ। दीवानी एवं आपराधिक राजीनामा योग्य कुल 86 प्रकरणों का निराकरण हुआ। बैंक रिकव्हरी 03 केसों में लगभग 26 लाख 34 हजार 166 रूपये का अवार्ड पारित किया गया। उक्त लोक अदालत हेतु 03 खण्ड पीठ जिसमें खण्डपीठ कमांक 01 अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश, मुंगेली के न्यायालय में कुल 459 प्रकरण रखे गये थे, खण्ड पीठ कमांक 02 मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट एवं खण्डपीठ कमांक 03 व्यवहार न्यायालय लोरमी का गठन किया गया था। इस विशेष ई लोक अदालत में कोविड 19 कोरोना महामारी को दृष्टिगत रखते हुये शासन द्वारा जारी दिशा निर्देशों का पालन करते हुये लबित मामलों का राजीनामा के आधार पर निराकरण किया गया। साथ ही सफल कहानी निम्नानुसार है रू 01. बिखरा हुआ परिवार एक हुआ-कथा संक्षेप्त में इस प्रकार है कि आपराधिक प्रकरण कमाक 152/2020 धारा 294, 323, 506 भा.द.वि. शासन विरूद्ध नितिन की प्रार्थिया जो कि अभियुक्त की पत्नी है जिसे उसका पति शराब के नशे में बुरी बुरी गालियां देता व अपनी प्रार्थिया को मारपीट करता था जिससे प्रार्थिया का जीना दूभर हो गया था उभय पक्षों के वैवाहिक संसर्ग से एक पुत्री है जो कि पिता के रोज रोज शराब पीकर आने और घर में कोहराम मचाने से पिता से डरती थी तथा पिता के द्वारा घर से निकाल दिये जाने पर प्रार्थिया द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई जिसमें आज नेशनल लोक अदालत में उभय पक्षों को आपस में समझाईश दिया गया जिसमें उभय पक्षों ने आपसी राजीनामा होने से दोनों एक परिवार होकर राजी खुशी से न्यायालय से अपने घर वापस लौटे इस तरह से एक बिखरते हुये परिवार को एक जमीन संबंधी विवाद-कक्षा संक्षेप्त में इस प्रकार है कि वादी व प्रतिवादी के मध्य मौजा लोरमी प.ह.नं. 23 रा.नि.म. एवं तहसील लोरमी जिला मुंगेली छ.ग. स्थित भूमि खसरा नम्बर 216.5 एवं 216.6 रकबा कमशः 0 . 45 ए, 0.25 ए के संबंध में वर्षो पुराना विवाद चल रहा था।

जिले में फिर पलायन का दौर जारी

महासमुंद (नव प्रदेश)। लॉकडाउन खत्म होने के साथ ही जिले में एक बार फिर से पलायन का दौरा जारी हो गया है। लॉकडाउन में घर लौटे मजदूरों को अधिक सैलरी और अन्य सुविधा देने का लालच देकर दलाल अपने खर्चे पर मजदूरों को दूसरे प्रदेश लेकर जा रहे हैं। ऐसा ही मामला महासमुंद थाना क्षेत्र के ग्राम जोबा और गढ़सिवनी से 20-25 मजदूरों को दलाल शराब दुकान में काम देने का लालच देकर रांची (झारखंड) लेकर जा रहे थे। जनपद सदस्य प्रतिनिधि लोकेश चन्द्राकर ने कहा कि गढ़सिवनी के 20-25 मजदूरों को सीजी 04 एच क्यू 6075 में लगभग 25 मजदूरों को बिहाझर बुलवाकर बस से रांची (झारखंड) ले जा रहे थे। दलालों ने मजदूरों को मोटी सैलरी देने की बात कही थी। दलाल मजदूरों को रात के अंधेरे में झारखंड लेकर जा रहे थे।

परेशानी | बायपास मार्ग न होने की वजह से भारी वाहन शहर से होकर गुजर रहे है

बायपास का कार्य अधूरा, किसानों को अभी तक नहीं मिल पाया मुआवजा

मुंगेली। बायपास सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण नहीं हो पाया है। जमीन अधिग्रहण करने वाले कई किसानों को नही मिल पाया है मुआयजा। समेटने लगे ठेकेदार अपना सामान। बाईपास से जुड़ने वाले सड़कों पर चैड़ीकरण नहीं होने से रहेगा दुर्घटना का अंदेशा।

कछुआ गति से बन रहे बाईपास सड़क निर्माण कार्य को जहां विभाग पूर्णता की ओर बता रहा है वहीं बाईपास सड़क निर्माण का काम पूर्ण नहीं हो पाया है। शहर की आबादी तेजी से बढ़ने के साथ ही शहर के बीचों-बीच से भारी वाहनों का भी आवागमन बढ़ा है। बायपास मार्ग न होने की वजह से भारी वाहन शहर से होकर गुजर रहे है। जिसके चलते यातायात का दबाव शहर के अंदर अधिक हो रहा है। दबाव कम करने के लिये कई वर्षो से बाईपास सड़क निर्माण का कार्य किया जा रहा है। लेकिन अब तक यह योजना परिलक्षित नहीं हो पा रही है। बिलासपुर मार्ग से रायपुर मार्ग, नवागढ़ मार्ग होते हुए पण्डरिया मार्ग पर निकल रहे बायपास सड़क के पूर्ण हो जाने पर भारी वाहनों का आवा-गमन इसी सड़क से होगा। जिससे शहर में यातायात का दबाव कम किया जा सकता है। जिला बनने के बाद शहर के अंदर यातायात दबाव को कम करने के लिए बायपास सड़क की योजना बनायी गयी। पिछले कई वर्षो पहले हुए स्वीकृत यह कार्य कछुआ गति से आगे बढ रहा है। शहर से यातायात दबाव कम

करने के लिये बनाये जा रहे इस 18 किमी बायपास सड़क में 2 बड़े पुलों सहित लगभग आधा दर्जन पुलियो का निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। सड़क निमार्ण का कार्य विभाग पूर्णता की ओर बता रहा है किंतु जमीन देने वाले किसानों की भूमि पर सड़क तो बन गया किंतु मुआयजा नहीं मिल पाया है। नवनिर्मित सड़क पर मुख्य मार्गो को जोड़ते समय पर्याप्त स्थल का ध्यान रखा गया है किंतु कुछ स्थानों पर राजस्व विभाग एवं लोक निर्माण विभाग के आपसी सामंजस्य नहीं होने के चलते सकरी सड़के बनाई जा रही है। जहां पर दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। 18 किलोमीटर की बाईपास सड़क में बिलासपुर मार्ग से रायपुर रोड को जोड़ने वाली सड़क पर दोनों स्थल पर पर्याप्त स्थल रहने से चैक बना हुआ है। नवागढ़ रोड में भी यही स्थिति है किंतु पण्डरिया रोड चातरखार के पास नेशनल हाइवे से जोड़ते समय अतिक्रमण नहीं हटने की वजह से सकरी सड़क बन गई है जिस पर 90 डिग्री अंश का कोण बना हुआ है। सकरी सड़क के चलते यहां पर दुर्घटना की संभावना बनी रहेगी। यहां पर पेड़ एवं कुछ अतिक्रमण के चलते उक्त स्थल को चैड़ीकरण नहीं किया जा सका। फलस्वरूप ठेकेदार द्वारा कम जगह मिलने पर सकरी सड़क का ही निर्माण कर दिया गया है। इस सड़क पर भारी वाहनों का आवागमन इसी बायपास सड़क से होगा। जिससे दुर्घटना का भय हमेशा बना रहेगा। क्षेत्र के नागरिकों ने बाईपास को सुरक्षित सड़क बनाये जाने की मांग करते हुए शीघ्र ही सड़क निर्माण का कार्य पूर्ण किये जाने की मांग की है।

> बायपास सड़क निर्माण कार्य में नेशनल हाइवे को जोड़ने वाली स्थल पर पर्याप्त स्थल रखा जायेगा। इसके लिए अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया है।
>
> **- पीएस एल्मा**
> **कलेक्टर मुंगेली**

अंबिकापुर में प्रदेश के पहले 'गोधन एम्पोरियम' का सीएम ने किया उद्घाटन

एम्पोरियम में गोबर की लकड़ी, ईंट, दीये, धूप बत्ती, अगरबत्ती, गमले, खिलौने, सजावटी समान विक्रय के लिए उपलब्ध होंगे

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर/सरगुजा। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज सरगुजा जिला प्रवास के दौरान जिला मुख्यालय अंबिकापुर में प्रदेश के पहले गोधन एम्पोरियम का उद्घाटन किया। इस एम्पोरियम में गोधन न्याय योजना के तहत गोठानों में खरीदे गए गोबर से महिला समूहों द्वारा निर्मित हो रहे विभिन्न उत्पादों की बिक्री की जाएगी।

गोधन एम्पोरियम में गोबर से महिला समूहों द्वारा बनाई गई लकड़ी, ईंट, दीये, धूप बत्ती, अगरबत्ती, खिलौने, सजावटी समान सहित घनजीवामृत विक्रय के लिए उपलब्ध रहेगा। महिलाओं द्वारा गोबर तथा बेसन के साथ अन्य प्राकृतिक उत्पाद के मिश्रण से घनजीवामृत तैयार किया जा रहा है। इसके उपयोग से भूमि की उर्वरता बढ़ती है।

गोधन उत्पाद विक्रय सह प्रदर्शनी केंद्र के रूप में अंबिकापुर के कला केंद्र मैदान के सामने गांधी स्टेडियम के प्रवेश द्वार के निकट गोधन एम्पोरियम की शुरुआत की जा रही है।

एम्पोरियम का संचालन गोठान प्रबंध समिति द्वारा नगर निगम एवं राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के मार्गदर्शन एवं निगरानी किया जाएगा।

गोधन एम्पोरियम खुलने से जहां नागरिकों को गोधन उत्पाद खरीदने में सुविधा होगी वहीं समूह की महिलाओं अपने उत्पादों के विक्रय के लिए एक व्यवस्थित स्थान मिलेगा। अंबिकापुर का गोधन एम्पोरियम प्रदेश के लिए एक मॉडल साबित हो सकता है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बृहस्पति सिंह, राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल भी उपस्थित थे।

न्यूज गैलरी

दो नाबालिग लड़की लापता, मामला दर्ज

रायपुर। दो नाबालिग लड़कियों के लापता हो जाने की रिपोर्ट मंदिरहसौद व धरसींवा थाने में दर्ज की गई है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार उड़िया बस्ती राजीव नगर छेरीखेड़ी निवासी पिता 38 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थी की बेटी 17 वर्ष 11 माह 12 दिन घर से बिना बताए कही चली गई। पीड़ित ने आशंका जताया है कि किसी ने लड़की को बहला-फुसलाकर अपहरण कर लिया है। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ धारा 363 के तहत अपराध कायम कर गुमइंसान का मामला दर्ज कर लिया है। इसी तरह धरसींवा निवासी पीड़ित 38 वर्ष ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि 13 दिसंबर को प्रार्थी की बेटी 17 वर्ष 10 माह 19 दिन घर से बिना बताए कही चली गई है। पीड़ित ने आशंका जताया है कि किसी ने बहला-फुसलाकर नाबालिग लड़की को अपहरण कर लिया है।

ड्यूटी से वापस आ रहे पेसेंजर गार्ड की सड़क हादसे में मौत

रायपुर। ड्यूटी से घर वापस आते समय पेसेंजर ट्रेन के गार्ड को तेज रफ्तार ट्रक ने ओवरटेक करते हुये एक्सीडेन्ट कर दिया। जिसके चलते बाईक सवार के सीने व हाथ सिर में गंभीर चोट लगने की वजह से अस्पताल ले जाने पर डाक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मिली जानकारी के अनुसार इंद्रनगर चरौदा जिला दुर्ग निवासी ए.अप्पा राव 41 वर्ष ने आमानाका थाने में शिकायत दर्ज करायी है कि पीड़ित का बड़ा पापा ए .उमा महेश्वर राव जो दक्षिण पूर्व मध्य रेल्वे रायपुर में सिनियर पैसेंजर गार्ड के पद पर कार्यरत था। 13 दिसंबर को शाम 5 बजे ड्यूटी समाप्त होने के बाद वापस अपने मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 07 एडी 3936 से घर चरौदा जा रहा था,तभी चंदनीडीह आमानाका खारुन नदी के पुलिया के पास रायपुर से दुर्ग की ओर जा रही तेज रफ्तार ट्रक क्रमांक सीजी 07 ए जेड 5023 के चालक ने लापरवाही पूर्वक ओवरटेक करते हुये ठोकर मारकर एक्सीडेन्ट कर दिया।

कार सवार महिला की गाड़ी रोककर बेटों के साथ मारपीट

रायपुर। कार से अपने बेटों के साथ जा रही महिला की कार रोककर दोनों बेटे के साथ गाली-गलौचकर जान से मारने की धमकी देकर मारपीट करने की रिपोर्ट सिविल लाईन थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार एलआईजी 01 इंद्रावती कालोनी राजातालाब रायपुर निवासी श्रीमती रेखा आनंद 48 वर्ष पिता अरुण आनंद ने रिपोर्ट दर्ज करायी है।

आसमान में छाए बादलों ने रोकी प्रदेश की ठंड

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। आसमान में छाए बादलों के चलते दिसंबर का पहला पखपाड़ा भी औसत तापमान में चल रहा है। जबकि दिसंबर में राजधानी रायपुर सहित प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ती है। इधर मौसम विभाग के अनुसार अब 16 दिसंबर के बाद आसमान में छाए बादल छंट जाएंगे और राज्य में फिर से अच्छी ठंड पड़नी शुरू हो जाएगी।

दिसंबर माह में आमतौर पर छत्तीसगढ़ राज्य में कड़ाके की ठंड पड़ती है। लेकिन इस वर्ष मौसम के मिजाज में आए उतार-चढ़ाव और नवंबर माह से बिगड़े मौसम के मिजाज के चलते राज्य में ठंड के असर में उतार-चढ़ाव का क्रम बना रहा। इसके पहले बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान निवार के चलते राज्य में मौसम का मिजाज काफी बिगड़ गया था। इस चक्रवाती तूफान के गुजरने के बाद मौसम थोड़ा सुधरा और ठंड ने अपना असर दिखाना शुरू किया। लेकिन इसके बाद फिर से खाड़ी में हो रहे हलचल के चलते और प्रदेश में आ रही नमीयुक्त हवा के चलते आसमान में बादल छा गए हैं।

आसमान में छाए बादलों के चलते ठंड का असर फिर से कम हो गया है और दिन के साथ ही रात के तापमान में काफी अंतर आ गया है। दिन के साथ ही रात के तापमान में वृद्धि दर्ज की जा रही है। इधर मौसम विभाग का कहना है कि नमीयुक्त हवा आने का क्रम अब बदलना शुरू हो रहा है। आगामी 48 घंटों के दौरान इसमें काफी बदलाव आएगा और आसमान में छाए बादलों के छंटते ही ठंड का असर एक बार फिर से महसूस होना शुरू हो जाएगा। इधर राजधानी में अन्य प्रमुख शहरों की अपेक्षा तापमान में आंशिक वृद्धि दर्ज की जा रही है। जल्द ही शहर के साथ ही प्रदेश में फिर से अच्छी ठंड शुरू होने की उम्मीद है।

राजधानी तेज हवाओं के साथ हुई बारिश

छत्तीसगढ़ में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है। दरअसल राजधानी के कई इलाके में दोपहर से ही मौसम में बदलाव देखने को मिला है। राजधानी के कई इलाकों में हल्की बारिश हुई, साथ ही तेज हवाएं भी चल रही है। तेज हवाओं के चलते इलाके में ठंडकता बढ़ गई है। वहीं, मौसम विभाग ने कहा है कि अगले 4 दिन के भीतर कहीं बादल छाए हुए नजर आएंगे तो कहीं बूंदाबांदी भी देखने को मिलेगी। लेकिन कड़ाके की ठंड के लिए प्रदेशवासियों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। दरअसल निवार और बुरेवी तूफान के प्रभाव से अब तक नमी बनी हुई है। जिसकी वजह से उत्तर से ठंडी हवाएं नहीं आ रही हैं, बल्कि इसी नमी की वजह से अगले 4 दिन बादल छाए रहने के आसार हैं।

हायर सेकेण्डरी के प्रिंसिपल के घर जेवरात व नगदी 4 लाख की चोरी

अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। हायर सेकेण्डरी के प्रिंसिपल के घर का ताला तोड़कर नगदी 4 लाख रुपयें एवं सोने,चांदी के जेवरात सहित 3 नग मोबाईल फोन चोरी कर लेने की रिपोर्ट खरोरा थाने में दर्ज की गई है। मिली जानकारी के अनुसार ग्राम कोसरंगी खरोरा निवासी मीना डहरिया 60 वर्ष पति गोविन्द प्रसाद डहरिया ने रिपोर्ट दर्ज करायी है कि प्रार्थिया ग्राम कोरासी हायर सेकेण्डरी स्कूल में प्रिंसिपल के पद पर पदस्थ है। पिछले 06 माह से बच्चों के साथ अपने मायके ग्राम चमारी में रह रही है। 01 दिसंबर को अपने बच्चों के साथ ग्राम कोसरंगी आई थी व कुछ देर बाद वापस मकान में ताला लगाकर बच्चों के साथ मायके ग्राम चमारी

भाटापारा चली गई। 11 दिसंबर को घर के पड़ोस में वेल्डींग दुकान वाला सीताराम साहु फोन करके बताया कि चैनल गेट का ताला टुटा हुआ है। जिसके बाद पीड़िता का बेटा व लड़की ग्राम कोसरंगी खरोरा पहुंचकर घर पहुंचे तब चैनल गेट का ताला टुटा हुआ था। अंदर जाकर देखने पर कमरे में रखा लॉकर व आलमारी टुटा हुआ था। आलमारी में रखा 5 सौ,100 व 10 रुपयें के नोट करीब 4 लाख रुपयें नही मिला व 1 मंगल सूत्र 01 धनिया पत्ती वाला मंगलसूत्र,कान का झुमका चैन सहित 02 नग कंगन ,कान का टाप सुई धागा वाला,सोने का चैन ,पायल एक जोड़ी,एक गणेश मुर्ति का लाकेट सिंदुर दानी चांदी का एवं गिरवी रखे सामान ,दोरला वाला मंगल सूत्र,एक सोने की अंगुठी,एक नग हाफ करधन चांदी का ,एक पत्ती वाला मंगल सूत्र करीबन 1 लाख 50 हजार रुपयें एवं तीन नग मोबाईल फोन कुल कीमत 5 लाख 65 हजार रुपयें को किसी अज्ञात चोर ने मकान में लगे ताला को तोड़कर कमरे के अंदर प्रवेश कर चोरी कर लिया। घटना की रिपोर्ट पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ धारा 380,457 के तहत अपराध कायम कर मामला दर्ज कर लिया है।

छत्तीसगढ़ मॉडल को मूर्तरूप देने वाले कर्मचारियों को भूली सरकार-वीरेन्द्र

रायपुर। राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के पूर्व प्रांताध्यक्ष एवं छत्तीसगढ़ राज्य सँयुक्त पेंशनर्स फेडरेशन के अध्यक्ष वीरेन्द्र नामदेव ने भूपेश बघेल सरकार के 2 वर्ष सफलता पूर्वक पूर्ण होने पर उन्हें बधाई देते हुये कहा कि सरकार उनके छत्तीसगढ़ मॉडल को मूर्तरूप देने वाले राज्य के कर्मचारियों-अधिकारियों और सेवानिवृत्त कर्मचारियों(पेंशनरों) को पूरी तरह से भूल चुकी है और जायज माँगो को लेकर सड़क पर उतरने के बाद भी कोई सुनने वाला नहीं है, सरकार में आने से पहले जितने वादे किये थे, वे अब सब भूल चुके हैं। कर्मचारी जगत उच्च स्तर के नोकरशाही की उपेक्षात्मक रवैया से 2 साल में ही त्रस्त होकर हलकान हो रहे हैं। महंगाई भत्ता, सातवे वेतनमान की एरियर की बात तो छोड़ो , मृत

20 वर्षो से भोपाल स्थित पेंशन प्रोसेसिंग सेल की रायपुर में स्थापना के मामला अटका पड़ा

शासकीय सेवक के परिजन अनुकम्पा नियुक्ति के लिये भटक रहे हैं। सरकार असंवेदनशील हो गई है।

वरिष्ठ श्रेणी के पेंशनभोगी सेवानिवृत्त कर्मचारी-अधिकारी की समस्या जो छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण तिथि 1नवम्बर 2000 जोगी-रमनसिंह सरकार से चली आ रही है,उसका समाधान करने में किसी कोई रुचि नही है, ब्यूरोक्रेसी सरकार को अंधेरे में रखी है,दोनो राज्यों के बीच पेंशनरी दायित्वों का विभाजन नही होने से छत्तीसगढ़ सरकार के खज़ाने से अरबों रुपये का लगातार नुकसान हो चुका है और हो रहा है परन्तु राज्य सरकार पेंशनरों को वित्तिय संकट के नाम पर उनके जायज आर्थिक स्वत्वों के भुगतान से वंचित रखे हुए है। इसी तरह 20 वर्षो से भोपाल स्थित पेंशन प्रोसेसिंग सेल की रायपुर में स्थापना के मामला अटका पड़ा है। सरकार के ध्यान में इन बातों को लाने के बाद भी इसे सुलझाने में जिम्मेदार लोगों को कोई रुचि नही है। इसलिए भुपेश सरकार का 2 साल प्रदेश के कर्मचारियों और पेंशनरों के लिये बेकार बनकर रह गया है।

धान खरीदी के मुद्दे पर राज्य सरकार का पलड़ा भारी

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। छत्तीसगढ़ में इस समय धान खरीदी का मुद्दा पक्ष-विपक्ष के लिए महत्वपूर्ण बना हुआ है। राज्य सरकार समर्थन मूल्य में धान खरीदी को लेकर जहां किसानों के बीच अपनी छवि स्वच्छ को और मजबूत करने में लगी है तो वहीं विपक्ष राज्य सरकार को इस मुद्दे पर घेरने में जुट गई है।

धान खरीदी को लेकर राज्य सरकार लगातार केन्द्र से संपर्क बनाए हुए है। विभिन्न समस्याओं को लेकर खासकर धान खरीदी को लेकर राज्यसरकार लगातार केन्द्र सरकार से पत्राचार कर राज्य की स्थिति से अवगत कराते आ रही है। धान खरीदी की तैयारियों व आर्थिक जरूरतों को पूरा करने व त्वरित मदद के लिए भी राज्य सरकार कई बार केन्द्र सरकार को पत्र प्रेषित कर चुकी है। लेकिन केन्द्र सरकार ने कभी इन पत्रों पर गंभीर प्रतिक्रिया नहीं जताई। बावजूद इसके राज्य सरकार समर्थन मूल्य पर ही धान खरीदी कर रही है। इस बार निर्धारित लक्ष्य से ज्यादा धान खरीदी का निर्णय लिया गया है। इसके लिए धान खरीदी केन्द्रों कीं संख्या भी बढ़ाई गई है। कुल मिलाकर राज्य सरकार प्रदेश में धान खरीदी को लेकर किसानों के मनोस्थिति को भलीभांति समझकर कदम उठा रही है। वहीं किसानों में भी राज्य सरकार द्वारा लिए गए निर्णयों का सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार के इस कदम के बाद विपक्षी अन्य मुद्दों को लेकर राज्य सरकार को घेरने के प्रयास में जुटी हुई है। राज्य के अन्य मुद्दों को लेकर भाजपा लगातार राज्य सरकार पर आरोप लगाने से पीछे नहीं हट रही है। हाल ही में कवर्धा कांड को लेकर विपक्ष द्वारा जोरदार आवाज बुलंद किया जा रहा है, लेकिन धान खरीदी के मुद्दे पर राज्यसरकार का पलड़ा भारी नजर आ रहा है।

संभावना | ठंड में इजाफा होते ही कोरोना वायरस द्वितीय चरण में अधिकतम आबादी हो सकती है प्रभावित

कोरोना संक्रमण से 86 स्वस्थ होकर हुए डिस्चार्ज

- 1259 नए कोरोना पाजीटिव मरीज मिले
- 13 की हुई उपचार के दौरान मृत्यु

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। ठंड में इजाफा होते ही कोरोना वायरस द्वितीय चरण में अधिकतम आबादी को प्रभावित करने लगा है। ऐसी स्थिति में लापरवाही के चलते जहां कोरोना वायरस कोविड 19 का स्वरूप प्रथम चरण के बाद अधिक आक्रामक तरीके से मरीजों को प्रभावित कर रहा है वहीं लाक डाउन खत्म होने के बाद आम लोगों में अभी भी कोरोना वायरस को लेकर लापरवाही बरती जा रही है। नगर निगम एवं जिला प्रशासन तथा स्वयं सेवी संगठनों द्वारा शासकीय अशासकीय क्षेत्रों द्वारा बार बार मास्क पहनने की अपील करने के बाद भी बाजार क्षेत्र में ज्यादातर लोग बिना मास्क पहने लोगों के लिए खतरे का सबब बने हुए है। दूसरे दौर में लापरवाही बरतने पर संक्रमण का स्वरूप भयावह हो सकता है। छत्तीसगढ़ शासन लोक स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी बुलेटिन के अनुसार रविवार रात 8 बजे की स्थिति में प्रदेश से कुल 86 मरीज स्वस्थ होकर डिस्चार्ज होने की जानकारी दी गई है। नोडल अधिकारी डॉ. सुभाष पांडेय के अनुसार 1259 नये कोरोना पाजीटिव मरीज मिलने की जानकारी दी गई है। अब तक प्रदेश में कुल 2 लाख 57,020 मरीज कोरोना पाजीटिव के पाये गये है जिनमें अस्पताल से अब तक 89,830 मरीज कोरोना उपचार के दौरान स्वस्थ होकर अपने घरों तक पहुंच चुके हैं। गत 24 घंटे में होम आइसोलेशन से 554 मरीज स्वस्थ हो चुके हैं। वहीं प्रदेश स्तर पर अब तक 1 लाख 45 हजार 023 मरीज स्वस्थ होकर अपनी दिनचर्या रोजाना की जारी रखने में सफल हुए हैं। प्रदेश में 640 मरीज गत 24 घंटे में डिस्चार्ज हुए है अब तक प्रदेश में 2, 34, 853 मरीज इलाज के दौरान शासकीय अशासकीय चिकित्सा संस्थानों में पंजी में दर्ज होकर समुचित उपचार का लाभ लेकर ठीक हो गये हैं।

गौरतलब हो कि कोरोना के चलते कई सरकारी विभागों में अभी भी काम ठप्प चल रहा है जिससे आम जनता को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

प्रदेश में कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 19070 हो चुके है

कुल सक्रिय मरीजों की संख्या 19070 है। उपचार के दौरान 13 मरीजों की मृत्यु हुई है जिनमें कोविड 19 के 1 एवं को मार्बिडिटी के 12 मरीज शामिल है। गत 24 घंटे में 24,296 मरीजों का कोरोना टेस्ट किया गया है। जिलावार कोरोना मरीजों की स्थिति इस प्रकार है- दुर्ग 71, राजनांदगांव 83, बालोद 101, बेमेतरा 20, कबीरधाम 22, रायपुर 209, धमतरी 61, बलौदाबाजार 52, महासमुंद 49, गरियाबंद 06, बिलासपुर 125, रायगढ़ 82, कोरबा 79, जांजगीर चांपा 106, मुंगेली 08, पेंड्रा गौरेला मरवाही 08, सरगुजा 41, कोरिया 23 सूरजपुर 23, बलरामपुर 08, जशपुर 11, स्तर 13, कोंडागांव 22, दंतेवाड़ा 15, कांकेर 18, बीजापुर 09 अन्य राज्य से केवल 3 एवं सुकमा से केवल एक मरीज कोरोना पॉजीटिव का मिला है जबकि नारायणपुर से विगत 24 घंटे में एक भी मरीज कोरोना पॉजीटिव का नहीं मिलने की जानकारी जारी बुलेटिन में दी गई है। गौरतलब हो कि प्रदेश स्तर पर अब तक 1 लाख 45 हजार 023 मरीज स्वस्थ होकर अपनी दिनचर्या रोजाना की जारी रखने में सफल हुए हैं। प्रदेश में 640 मरीज गत 24 घंटे में डिस्चार्ज हुए है अब तक प्रदेश में 2, 34, 853 मरीज इलाज के दौरान शासकीय अशासकीय चिकित्सा संस्थानों में पंजी में दर्ज होकर समुचित उपचार का लाभ लेकर ठीक हो गये हैं।

गोलबाजार में कितनी दुकानें वैध जल्द होगा खुलासा

रायपुर । राजधानी के सबसे पुराने गोलबाजार में दर्ज संख्या से अधिक दुकानें संचालित होने का मामला भी गर्माया हुआ है। अब निगम प्रशासन गोलबाजार में ड्रोन कैमरों के माध्यम से निगरानी रखेगी। गोलबाजार के अधिकांश दुकानों के नापजोख का काम करने के बाद निगम प्रशासन यह भी देखेगा कि यहा अवैध रूप से कितनी दुकानें संचालित हो रही है। इससे निगम के राजस्व में कितना नुकसान हो रहा है, अब तक कितने दुकानों का पंजीयन है और कितने दुकानें बिना अनुमति के या गलत तरीके से संचालित हो रही है। इन तमाम बिंदुओं पर प्रमाणित दस्तावेजों के अध्यन व जांच-परख के बाद आगे की रणनीति तय की जाएगी। फिहाल निगम प्रशासन अब गोलबाजार के सभी दुकानों की सतत निगरानी रखने जहां मैदानी अमले को सक्रिय करने वाली है तो वहीं ड्रोन कैमरों की मदद से भी पूरे गोलबाजार इलाके की निगरानी रखने वाली है।

मुख्यमंत्री से विभिन्न समाजों एवं संघों के प्रतिनिधि मंडल ने की मुलाकात

नव प्रदेश संवाददाता

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से सरगुजा जिला मुख्यालय अम्बिकापुर स्थित उच्च विश्राम गृह में आज शाम विभिन्न समाजों और संघों के प्रतिनिधि मंडल ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से गोंड समाज, कायस्थ समाज, अग्रवाल समाज, नगेशिया समाज, कोरवा समाज, कवंर समाज, उरांव समाज, चेरवा समाज, माझी समाज, मुण्डा समाज, मझवार समाज, बंग समाज, पण्डो समाज, भुईहर समाज, संत सिरोमणी रविदास समाज, कोलता समाज, महकूल समाज, रजवार समाज, पनिका समाज, गिरी समाज, खटीक समाज, यादव समाज, मुस्लिम समाज, विश्वकर्मा समाज, केशरवानी समाज, जायसवाल समाज, रोनियार समाज, कश्यप समाज, ईसाई समाज, हल्वाई समाज, सतनामी समाज सहित अन्य समाजों और तीरंदाजी संघ के प्रतिनिधियों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री ने सभी समाजों की समस्याओं और मांगों को गंभीरता से सुना और उनका निदान करने के लिए उचित पहल करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री बघेल को विभिन्न समाज के प्रतिनिधियों द्वारा स्मृति चिन्ह भी भेंट किया गया। इस अवसर पर नगरीय प्रशासन एवं विकास तथा जिले के प्रभारी मंत्री डॉ. शिवकुमार डहरिया, पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव, खाद्य मंत्री अमरजीत, उच्च शिक्षा एवं खेल मंत्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव चिन्तामणी महाराज, छत्तीसगढ़ खाद्य आयोग के अध्यक्ष श्री गुरप्रीत सिंह बाबरा, छत्तीसगढ़ औषधीय पादप बोर्ड के अध्यक्षबालकृष्ण पाठक, छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण बोर्ड के अध्यक्ष शफ ी अहमद, बीस सूत्रीय कार्यान्वयन के उपाध्यक्ष अजय अग्रवाल, रामानुजगंज विधायक बृहस्पत सिंह, जिला पंचायत सदस्य मधु सिंह, महापौर डॉ. अजय अग्रवाल, कलेक्टर संजीव कुमार झा, पुलिस अधीक्षक टी.आर. कोशिमा उपस्थित थे।

संपादकीय

बंगाल में चुनाव पूर्व बवाल

बंगाल में विधानसभा चुनाव के लिए अभी कई महीनों का समय बाकी है लेकिन अभी से वहीं बवाल शुरू हो गया है। बंगाल में हिंसा और राजनीतिक हत्याएं आम बात हो गई है। भाजपा ने आरोप लगाया है कि टीएमसी कार्यकार्ता भाजपा कार्यकर्ताओं की लगातार निर्मम हत्या कर रहे है। इसके जवाब में टीएमसी के नेताओं का कहना है कि भाजपा खुद अपने कार्यकर्ताओं की हत्या करा रही है और उसके लिए टीएमसी को जिम्मेदार ठहरा रही है। हकीकतन टीएमसी के कार्यकर्ता ही गुंडागर्दी पर उतारू है। पिछले लोकसभा चुनाव के दौरान भी बंगाल में हिंसक घटनाओं की बाढ़ आ गई थी इसके बावजूद वहां भाजपा ने अच्छी खासी सीटें जीत कर ममता बेनर्जी के पेशानी पर बल डाल दिया था। इस बार भाजपा बंगाल में सरकार बनाने के संकल्प को लेकर तैयारी में जुटी हुई है। दूसरी तरफ मुख्यमंत्री ममता बेनर्जी से नाराज चल रहे टीएमसी नेता उनका साथ छोड़ कर भाजपा का दामन थाम रहे है इससे ममता बेनर्जी का बौखलाना स्वाभाविक है। वहां बंगाल को बदलापुर के रूप में तब्दील किया जा रहा है। पिछले दिनों भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा दो दिवसीय बंगाल दौरे पर गए थे तो उनके काफिले को भी निशाना बनाया गया था, उनके वाहन पर जमकर पत्थर बरसाए गए थे। भाजपा के बंगाल प्रभारी कैलाश विजयवर्गी के काफिले पर भी हमला किया गया था जिसकी वजह से उनके हाथ में चोट आई है। इस हमलों के दौरान ही बंगाल के अलग अलग हिस्सों में तीन भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या भी कर दी गई थी। जाहिर है बंगाल में कानून और व्यवस्था की स्थिति खराब है या फिर जानबूझ कर खराब की जा रही है। इस मुद्दे को लेकर केन्द्र सरकार और बंगाल सरकार के बीच तलवारे खीच गई है। केन्द्रिय गृह मंत्रालय ने बंगाल में तैनात तीन आईपीएस अधिकारियों को प्रतिनियुक्ति पर दिल्ली बुला लिया है जिसका ममता बेनर्जी विरोध कर रही है। कुल मिलाकर केन्द्र सरकार और बंगाल सरकार के बीच तकरार जो पहले से ही चली आ रही है वह अब और बढ़ती जा रही है। विधानसभा चुनाव तक दोनों के बीच टकराव और बढ़ने की संभावना नजर आ रही है। ऐसा लगता है कि ममता बेनर्जी जानबूझ कर ऐसी स्थिति पैदा कर रही है कि केन्द्र सरकार वहां राष्ट्रपति शासन लागू करने पर बाध्य हो जाएं ताकि वे इसका चुनावी लाभ उठा पाएं।

विचार

भाजपा और ममता में टक्कर

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

पश्चिम बंगाल के डायमंड हार्बर इलाके में भाजपा अध्यक्ष जगत नड्डा और भाजपा प्रभारी कैलाश विजयवर्गीय के काफिले पर जो हमला हुआ, उसमें ऐसा कुछ भी हो सकता था, जिसके कारण ममता बनर्जी की सरकार को भंग करने की नौबत भी आ सकती थी। यदि नड्डा की कार सुरक्षित नहीं होती तो यह हमला जानलेवा ही सिद्ध होता। कैलाश विजयवर्गीय की कार विशेष सुरक्षित नहीं थी तो उनको काफी चोटें लगीं। क्या इस तरह की घटनाओं से ममता सरकार की इज्जत या लोकप्रियता बढ़ती है ? यह ठीक है कि भाजपा के काफिले पर यह हमला ममता ने नहीं करवाया होगा। शायद इसका उन्हें पहले से पता भी न हो लेकिन उनके कार्यकर्ताओं द्वारा यह हमला किए जाने के बाद उन्होंने न तो उसकी कड़ी भर्त्सना की और न ही अपने कार्यकर्ताओं के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई की। बंगाल की पुलिस ने जो प्रतिक्रिया ट्वीट की, वह यह थी कि घटना-स्थल पर ''खास कुछ हुआ ही नहीं''। पुलिस ने यह भी कहा कि ''कुछ लोगों ने पत्थर जरुर फेंके लेकिन सभी लोग सुरक्षित हैं। सारी स्थिति शांतिपूर्ण है।'' जरा सोचिए कि पुलिसवाले इस तरह का रवैया आखिर क्यों रख रहे हैं ? क्योंकि वे आंख मींचकर ममता सरकार के इशारों पर थिरक रहे हैं। सरकार ने उन्हें यदि यह कहने के लिए प्रेरित नहीं किया हो तो भी उनका यह रवैया सरकार की मंशा के प्रति शक पैदा करता है। यह शक इसलिए भी पैदा होता है कि ममता-राज में दर्जनों भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्या हो चुकी है और उक्त घटना के बाद कल भी एक और हत्याकांड हुआ है। प. बंगाल के चुनाव सिर पर हैं। यदि हत्या और हिंसा का यह सिलसिला नहीं रुका तो चुनाव तक अराजकता की स्थिति पैदा हो सकती है। केंद्र और राज्य में इतनी ज्यादा ठन सकती है कि ममता सरकार को भंग करने की नौबत भी आ सकती है। उसका एक संकेत तो अभी-अभी आ चुका है। पुलिस के तीन बड़े केंद्रीय अफसर, जो बंगाल में नियुक्त थे और जो नड्डा-काफिले की सुरक्षा के लिए जिम्मेदार थे, उन्हें गृहमंत्री अमित शाह ने वापस दिल्ली बुला लिया है। ममता इससे सहमत नहीं है। लेकिन इस तरह के कई मामलों में अदालत ने केंद्र को सही ठहराया है। ममता को आखिरकार झुकना ही पड़ेगा। राज्यपाल जगदीप धनखड़ और ममता के बीच रस्साकशी की खबरें प्रायः आती ही रहती हैं। भाजपा की केंद्र सरकार और ममता सरकार को जरा संयम से काम लेना होगा, वरना बंगाल की राजनीति को रक्तरंजित होने से कोई रोक नहीं पाएगा।

टेक ज्ञान- नोकिया PureBook X14 लॉन्च

नई दिल्ली। नोकिया के पहले लैपटॉप की मार्केट में एंट्री हो गई है। ई-कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट ने आज Nokia PureBook X14 लैपटॉप के लॉन्च की घोषणा की। इस लैपटॉप की कीमत 59,990 रुपये है। नोकिया प्योरबुक X14 की प्री-बुकिंग 18 दिसंबर से शुरू होगी। तो आइए जानते हैं नोकिया के इस लैपटॉप में क्या कुछ है खास।

सरदार पटेल स्मृति दिवस पर विशेष

एकीकृत भारत के निर्माता सरदार पटेल

योगेश कुमार गोयल

> दरअसल इस बात का स्पष्ट उल्लेख मिलता है कि उन्होंने अपने पुत्र दहयाभाई को तब तक यथासंभव दिल्ली से दूर रहने को कहा था, जब तक कि वह स्वयं दिल्ली में रहें। उनके हृदय में ईमानदारी की भावना किस कदर कूट-कूटकर भरी थी, इसका इससे बेहतर बेमिसाल उदाहरण नहीं हो सकता कि उनके निधन के बाद खोजबीन किए जाने पर उनकी निजी सम्पत्ति के नाम पर उनके पास कुछ नहीं था। बगैर लाग-लपेट, सीधा-स्पष्ट, कड़ा और खरा बोलने के लिए विख्यात रहे सरदार पटेल ने अपने जीवन में आई तमाम कठिनाईयों से पार पाते हुए सदैव उन पर सफलता हासिल की, इसीलिए उन्हें 'लौहपुरूष' के रूप में जाना जाता है। सरदार पटेल का जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व सदैव प्रेरणास्रोत के रूप में देशवसियों को प्रेरित करता रहेगा। हार्ट अटैक के कारण यह लौहपुरूष 15 दिसम्बर 1950 को दुनिया से विदा हो गया। उन्हें मरणोपरांत सन् 1991 में भारत का सर्वोच्च नागरिक सम्मान 'भारत रत्न' दिया गया। भारत सरकार द्वारा इसी साल सरदार पटेल की जयंती के अवसर पर देश की एकता और अखण्डता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए सरदार वल्लभ भाई पटेल के ही नाम से एक 'नागरिक सम्मान' प्रदान करने की घोषणा की गई है और पहले पुरस्कार की घोषणा 31 अक्तूबर को पटेल जयंती के अवसर पर ही की जाएगी।

गुजरात के खेड़ा जिले के नाडियाड में एक किसान परिवार में जन्मे सरदार वल्लभ भाई पटेल को एकता की मिसाल कहा जाता है क्योंकि देश की एकता को सर्वोपरि मानते हुए उन्होंने देश को एकजुट करने में सदैव महत्वपूर्ण योगदान दिया। स्वतंत्रता संग्राम से लेकर मजबूत और एकीकृत भारत के निर्माण में उनके योगदान को कभी नहीं भुलाया जा सकता। जिस समय देश आजाद हुआ, तब यह कई छोटी-छोटी रियासतों में बंटा हुआ था, जिन्हें एकजुट करना बेहद चुनौतीपूर्ण कार्य था। आजाद भारत को एकजुट करने का श्रेय सरदार पटेल की राजनीतिक और कूटनीतिक क्षमता को ही दिया जाता है। देश की आजादी के उपरांत 500 से भी ज्यादा देशी रियासतों का एकीकरण किया जाना सबसे बड़ी समस्या थी। दरअसल अंग्रेज भारत से जाते-जाते बड़ी कुटिल चाल चलते हुए करीब साढ़े पांच सौ देशी रियासतों को खुद ही अपने भविष्य के निर्णय का अधिकार दे गए थे। उसके पीछे उनका उद्देश्य यही था कि इतनी बड़ी संख्या में रियासतों के स्वायत्त रहते भारत के लिए स्वयं को एकजुट रख पाना बेहद मुश्किल होगा। सरदार वल्लभ भाई पटेल ने अपने 'लौहपुरूष' व्यक्तित्व का परिचय देते हुए इस गंभीर चुनौती को न केवल स्वीकार किया बल्कि बहुत ही कम समय में बड़ी कुशलता से इतनी सारी रियासतों के एकीकरण का कार्य सम्पन्न कराने में सफल भी हुए। इसके लिए उन्होंने देशी रियासतों की कई श्रेणियां बनाते हुए सभी से बात की और ज्यादातर को भारत संघ में सहजता से शामिल करने में कामयाब रहे। जिन रियासतों ने ना-नुकूर की, उनके साथ उन्होंने कठोरता दिखाई और जरूरत पड़ने पर सेना का सहारा लेने से भी वे पीछे नहीं हटे।

सरदार पटेल ने आजादी के ठीक पहले पी.वी. मेनन के साथ मिलकर कई देशी रियासतों को भारत में मिलाने का कार्य आरंभ कर दिया था। उस समय देशभर में सैंकड़ों ऐसी देशी रियासतें थी, जो स्वयं में सम्प्रभुत्ता प्राप्त थी, जिनका अपना अलग झंडा और अलग शासक था। दोनों ने देशी रियासतों के शासकों को समझाया कि उन्हें स्वायत्तता देना संभव नहीं होगा। इसका असर यह हुआ कि केवल तीन रियासतों को छोड़कर बाकी सभी रियासतों-राजवाडों ने अपनी मर्जी से भारत में विलय का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया। सरदार पटेल ने 5 जुलाई 1947 को रियासतों के प्रति अपनी नीति स्पष्ट करते हुए कहा था कि रियासतों को सुरक्षा, विदेश, संचार व्यवस्था, इन तीन विषयों के आधार पर भारतीय संघ में शामिल किया जाएगा। सरदार पटेल की

इस घोषणा के बाद बहुत सी देशी रियासतों के शासक भोपाल के नवाब से अलग हो गए, जो आजाद भारत के पहले गृहमंत्री सरदार पटेल की रियासतों का एकीकरण किए जाने की योजना की बड़ी सफलता थी। उन्होंने भारतीय संघ में ऐसी रियासतों का विलय करने में सफलता प्राप्त की, जो स्वयं में सम्प्रभुत्ता प्राप्त थी। 15 अगस्त 1947 तक हैदराबाद, कश्मीर और जूनागढ़ को छोड़कर बाकी सभी भारतीय रियासतें 'भारत संघ' में शामिल हो गई थी। हैदराबाद के निजाम ने जब भारत में विलय का प्रस्ताव अस्वीकार कर दिया था तो सरदार पटेल ने वहां सेना भेजकर निजाम का आत्मसमर्पण करा लिया। बहुत विरोध होने पर जूनागढ़ का नवाब भागकर पाकिस्तान चला गया और तब जूनागढ़ भी भारत में मिला लिया गया। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात् भारत की विभिन्न बिखरी हुई रियासतों और भू-भागों के एकीकरण में सरदार पटेल के उल्लेखनीय योगदान के कारण ही उन्हें भारत का बिस्मार्क (जर्मन साम्राज्य का प्रथम चांसलर) के नाम से भी जाना जाता है। देश की आजादी के बाद वे स्वतंत्र भारत के पहले गृहमंत्री और पहले उप-प्रधानमंत्री बने। सरदार पटेल का व्यक्तित्व बचपन से ही बेहद प्रभावशाली था। हालांकि पढ़ाई-लिखाई में वे औसत हुआ करते थे। उन्होंने दसवीं कक्षा की परीक्षा 22 साल की उम्र में उत्तीर्ण की थी। हाईस्कूल की पढ़ाई के बाद परिवार में आर्थिक तंगी के कारण उन्होंने कॉलेज जाने के बजाय आगे की शिक्षा स्वाध्याय से ही प्राप्त की। बैरिस्टर की पढ़ाई उन्होंने लंदन जाकर पूरी की और कॉलेज जाने का अनुभव नहीं होने के बावजूद अपनी विलक्षण प्रतिभा का परिचय देते हुए उन्होंने 36 साल की उम्र में लंदन के मिडिल टेंपल इन में बैरिस्टरी का 36 माह का कोर्स सिर्फ 30 माह में ही पूरा कर लिया और वापस आकर अहमदाबाद में वकालत करने लगे। महात्मा गांधी के विचारों से प्रेरित होकर उन्होंने गांधी जी के साथ भारत के स्वतंत्रता आन्दोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

स्वतंत्रता आन्दोलन में उनका सबसे पहला और बड़ा योगदान खेड़ा संघर्ष के दौरान था, जब गुजरात का खेडा डिवीजन भयानक सूखे की चपेट में था और किसान ब्रिटिश सरकार से भारी करों में छूट की मांग कर रहे थे। अंग्रेजों द्वारा जब किसानों की इस मांग को स्वीकार नहीं किया गया तो सरदार पटेल ने गांधी जी तथा अन्य लोगों के साथ किसानों का नेतृत्व किया और आखिरकार ब्रिटिश सरकार द्वारा किसानों को उस साल करों में राहत दे दी गई। सरदार पटेल की यह पहली सफलता थी। उन्होंने बारडोली सत्याग्रह का नेतृत्व करते हुए उसमें सफलता भी हासिल की थी, जिससे प्रसन्न होकर वहां की महिलाओं ने ही वल्लभ भाई पटेल को 'सरदार' की उपाधि प्रदान की थी। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सबसे घनिष्ठतम और निकटतम व्यक्तियों में से एक रहे सरदार पटेल उम्र में पं. जवाहरलाल नेहरू से 14 साल बड़े थे। भारतीय संविधान के निर्माण में भी सरदार पटेल का महत्वपूर्ण योगदान था। वे मूलाधिकारों पर बनी समिति के अध्यक्ष थे और उन्होंने अधिकारों को दो भागों में रखने का सुझाव दिया था, एक मूलाधिकार तथा दूसरा नीति-निर्देशक तत्व। आज के दौर में जहां देश में हर तरफ भाई-भतीजावाद की राजनीति का बोलबाला है, वहीं देश का यह लौहपुरूष राजनीति में भाई-भतीजावाद के सख्त खिलाफ था और इसका सबसे बड़ा उदाहरण उन्होंने खुद अपने बेटे को राजनीति से दूर रखते हुए दिया भी।

भरोसा सबसे जरूरी, कैसे टूटे किसान आंदोलन का गतिरोध

अनुराग

> सरकार और किसानों के बीच भरोसे की ऐसी कमी भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंता की बात होनी चाहिए, हालांकि यह स्थिति कोई एक-दो दिन में नहीं आई है। कृषि कानूनों पर संसद में चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टियों का रुख बहुत कड़ा था लेकिन सरकार ने उसकी कोई परवाह नहीं की। किसानों के शुरुआती विरोध प्रदर्शनों को भी खास तवज्जो नहीं दी गई। पंजाब में लंबे समय तक रेल पटरियों पर जारी धरने को सिरे से अनदेखा कर दिया गया। वहां से किसान दिल्ली के लिए निकले तो हरियाणा में उन्हें बलपूर्वक रोकने की कोशिश हुई।

कृषि कानूनों के खिलाफ किसानों का आंदोलन खत्म होता नहीं दिख रहा है। कई दौर की वार्ता हो चुकी है पर किसान अपनी मांगों पर अड़े हैं। ऐसे में सवाल यह है कि किसानों की आशंकाएं कैसे दूर होंगी। नए कृषि कानूनों के खिलाफ आंदोलन कर रहे किसानों और सरकार के बीच जारी बातचीत में आया गतिरोध टूटने की कोई सूरत नहीं बन पा रही है। बिना किसी पूर्व योजना के केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के निमंत्रण पर उनसे हुई किसान नेताओं की वार्ता के बाद सरकार द्वारा भेजे गए लिखित प्रस्ताव को भी किसानों ने ठुकरा दिया है, साथ ही अपना आंदोलन और तेज करने की घोषणा की है।

फाईल फोटो

हालांकि मंगलवार को भारत बंद के बाद जब गृहमंत्री ने किसान नेताओं को बुलाया तो इसको इस बात का संकेत माना गया कि सरकार आंदोलन की मांगों को लेकर गंभीर है और अब कोई रास्ता निकल आएगा। सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में एमएसपी गारंटी करने का कानून बनाने वाली बात भले न हो, पर इसमें एमएसपी जारी रखने का लिखित आश्वासन देना मंजूर किया गया है।

इसके अलावा फसल की खरीदी करने वाले निजी व्यवसायियों के राज्य सरकारों द्वारा रजिस्ट्रेशन किए जाने और अनाज मंडी से बाहर की जाने वाली खरीद-बिक्री पर भी टैक्स लगाने का अधिकार उनको देने की बात इस प्रस्ताव में कही गई है। किसानों की कई और चिंताओं को दूर करने की कोशिश भी इसमें दिखती है। बावजूद इसके, किसान आंदोलन से जुड़े संगठनों के नेतृत्व ने एक स्वर से इसे खारिज कर दिया। उनका कहना है कि सभी दौरों की बातचीत में सरकार की तरफ से एक ही बात कही जाती रही है कि वह किसानों की सभी आशंकाओं और चिंताओं को दूर करना चाहती है, लेकिन उसकी किसी बात पर भरोसा नहीं किया जा सकता। साफ है कि सरकार और किसानों के बीच दूरी कुछ ज्यादा ही बढ़ गई है। शायद यही वह सबसे बड़ी वजह है, जिसके चलते लगातार बातचीत के बावजूद दोनों पक्षों के बीच सार्थक संवाद का कोई पुल बनता नहीं दिख रहा है। सरकार और किसानों के बीच भरोसे की ऐसी कमी भारतीय लोकतंत्र के लिए चिंता की बात होनी चाहिए, हालांकि यह स्थिति कोई एक-दो दिन में नहीं आई है।

> सरकार द्वारा भेजे गए प्रस्ताव में एमएसपी गारंटी करने का कानून बनाने वाली बात भले न हो, पर इसमें एमएसपी जारी रखने का लिखित आश्वासन देना मंजूर किया गया है। इसके अलावा फसल की खरीदी करने वाले निजी व्यवसायियों के राज्य सरकारों द्वारा रजिस्ट्रेशन किए जाने और अनाज मंडी से बाहर की जाने वाली खरीद-बिक्री पर भी टैक्स लगाने का अधिकार उनको देने की बात इस प्रस्ताव में कही गई है। किसानों की कई और चिंताओं को दूर करने की कोशिश भी इसमें दिखती है। बावजूद इसके, किसान आंदोलन से जुड़े संगठनों के नेतृत्व ने एक स्वर से इसे खारिज कर दिया। उनका कहना है कि सभी दौरों की बातचीत में सरकार की तरफसे एक ही बात कही जाती रही है कि वह किसानों की सभी आशंकाओं और चिंताओं को दूर करना चाहती है।

कृषि कानूनों पर संसद में चर्चा के दौरान विपक्षी पार्टियों का रुख बहुत कड़ा था लेकिन सरकार ने उसकी कोई परवाह नहीं की। किसानों के शुरुआती विरोध प्रदर्शनों को भी खास तवज्जो नहीं दी गई। पंजाब में लंबे समय तक रेल पटरियों पर जारी धरने को सिरे से अनदेखा कर दिया गया। वहां से किसान दिल्ली के लिए निकले तो हरियाणा में उन्हें बलपूर्वक रोकने की कोशिश हुई। यहां तक कि दिल्ली बॉर्डर तक पहुंच जाने और यहां डेरा जमा लेने के बावजूद सत्तारूढ़ हलकों की ओर से कभी उनको बरगलाया हुआ बताया जाता रहा तो कभी खालिस्तानी करार देने की कोशिश की गई। ऐसे में यह उम्मीद कैसे की जा सकती है कि अपनी मांगों को लेकर सड़क पर उतरा जनता का यह अहम हिस्सा सरकार की बातों पर भरोसा कर लेगा? जाहिर है, संवाद की सफलता का सवाल तो बाद में उठेगा, पहले सरकार खुद किसानों पर भरोसा करे। इस क्रम में वह किसानों का विश्वास भी जीत सकती है। दोनों पक्षों को याद दिलाना जरूरी है कि फैसला अंततः बातचीत से ही होगा, बल प्रदर्शन से नहीं। हालांकि बातचीत का माहौल बनाने की जिम्मेदारी निश्चित रूप से किसानों से ज्यादा सरकार की है।

पाठकों की बात

पत्र, प्रतिक्रियाएं, सोशल मीडिया

नाम उसी का रट

नाम उसी का रट ले रे बंदे हो जायेंगे सारे काम बोलो राम बोलो राम बोलो राम राम राम जग में सब मोह माया है क्रोध न कर पल भर काया है एक तरफ है कोरा सूरज एक तरफ तरुवर छाया है रम जा बस उसकी धुन में त्याग दे सब आराम नाम उसी का रट ले रे बंदे हो जायेंगे सारे काम बोलो राम बोलो राम बोलो राम राम राम।

– प्रवीण माटी

हार भी हार सी नही

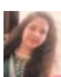

हार भी हार सी नही लगती, जीत अगर अपनो की होती है...! गहरे जख्म भी अब दर्द नही देते, मुस्कान जब अपनो की होती है...! तुफानो से भी अब डर नही लगता, उससे पार जब अपने ही करते है...! संघर्ष करते-करते ,भी मुस्कुराऊँ मैं क्योंकि सम्बल जब अपने ही देते है।

– निशा रावल

खास पाती

आंख मूंद लेने से सबकुछ

आँख मूंद लेने से सबकुछ, अच्छा नहीं हो जाता है! चीख चीख कहने से झूठा, सच्चा नहीं हो जाता है कैसे बताएं तुम्हे समझ के, फेर की अजब कहानी, कर देता जो शीलभंग, वो बच्चा नहीं हो जाता है सुनते सुनते पके कान पर, नियत ना बदले भाई! आये मूंछ भले भतीजे के, चच्चा नहीं हो जाता है गिरते हैं हम उसी खोह में, जिसमें पिस जाती जवानी! आँख नहीं खुलती है जबतक, गच्चा नहीं हो जाता है। आस छोड़कर चमत्कार की, बात धरातल पर हो, ठोस रही मंशा गिरीश तो, कच्चा नहीं हो जाता है।

– गजेन्द्र द्विवेदी गिरीश

मिट्टी ने जड़ों को छोड़ दिया

मिट्टी ने जड़ों को छोड़ दिया। सारे अपनो को छोड़ दिया। नदी आजकल खुद प्यासी है अपने धारों को छोड़ दिया। फिर से बहारें यार आएंगी शज़र ने पत्तों को छोड़ दिया । देख अमावस का अंधियारा मुठ्ठी से जुगनूओ को छोड़ दिया । जब कदम बुलन्दी चूमेगी दिनेश बुराई के लिए औरों को छोड़ दिया।

– आचार्य दिनेश भोपाली

हंस रहा है, रो रहा है आदमी

हँस रहा है, रो रहा है आदमी इक खिलौना वक्त का है आदमी देवता ही देवता आते नजर भीड़ में गुम हो गया है आदमी हर घड़ी चिंता, निराशा, दर्द है सूखकर काँटा हुआ है आदमी जान पाना अब नहीं आसान है बस निरुत्तर प्रश्न-सा है आदमी मौत चाहे लाख कोशिश कर ले पर दिल में बसकर कब मरा है आदमी ढूँढता फिरता है अब तो खुद को ही अपने घर में लापता है आदमी।

– दिनेश रोहित चतुर्वेदी

सूखे से कुछ गुलाब आए थे ऐसे खत में जवाब आए थे

सूखे से कुछ गुलाब आए थे ऐसे खत में जवाब आए थे। बेवजह हो गए ख़फ़ा आप तो हम तो करने हिसाब आए थे। सुब्ह होते ही ली दवा हमने रात जीने के ख्बाब आए थे।

– वंदना मोदी गोयल

स्त्री तुम चित्रकार हो, तभी- मकान

स्त्री तुम चित्रकार हो, तभी- मकान को खूबसूरत रंगों से घर कर देती हो, और समाज के कुछ लोग उसे सिर्फ़ रीति रिवाजों का खंडहर बनाना चाहते हैं...! हम सब चित्रकार हैं।

– अनुभूति 'अनु'

सुनो तुम हाथ दो अपना पकड़कर

सुनो तुम हाथ दो अपना पकड़कर थाम लेती हूँ। मुहब्बत में तुम्हारी घूम चारों धाम लेती हूँ। परखना कुछ नही मुझको नही है जानना कुछ भी, तुम्हारा नाम मैं दिलबर सुबह औ शाम लेती हूँ।

– मोहिनी गुप्ता

मैं पत्थर हूं या कोई हीरा ये

मैं पत्थर हूं या कोई हीरा ये तो जौहरी बतायेगा, इन पंसारियों की परख पर मुझे यकीं नहीं होता। वैसे तो बहुत ही आए और गए मेरे इस जीवन में, पर तुम सा कोई और इश्क का शौकीं नहीं होता।

– संजय सिंह राजपूत भव्य

QUIZ TIME

1) 1 जनवरी, 2012 को नए जिले के रूप में स्थापित 'बालोद' शहर पूर्व में किस बाजार के रूप में प्रसिद्ध था? (मवेशी बाजार / धातुशिल्प बाजार)

2) 20वीं शताब्दी के आरम्भ में डॉ. जॉर्ज ई. मिलर ने किस स्थान पर विदेशी क्रिश्चियन मिशनरी सोसाइटी की स्थापना की थी जो वर्ष 2012 में छत्तीसगढ़ का एक नया जिला बन गया है?

3) बैगा जनजातियों का कृषि का नाम क्या है?

4) छत्तीसगढ़ में मगरमच्छों का नैसर्गिक अभयारण्य किसे माना जाता है?

5) सारंगढ़ रियासत के अंतिम राजा और अविभाजित मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री का नाम बताइए?

Ramaquiz

उत्तरमाला- (1) मवेशी बाजार (2) मुंगेली (3) बेवार कृषि (4) कोटमीसोनार (5) राजा नरेशचन्द्र सिंह

आज का इतिहास

नई दिल्ली (वार्ता)। 1749 - छत्रपति शिवाजी महाराज के पोते शाहू महाराज का निधन। 1794 - फ्रांस में क्रांतिकारी ट्रिब्यूनल को समाप्त किया गया। 1803 - ईस्ट इंडिया कंपनी ने उड़ीसा (अब ओडिशा) पर कब्जा किया। 1852 - एफिल टावर बनाने वाले फ्रांसीसी इंजीनियर और आर्किटेक?ट गुस?ताव एफिल का जन?म। 1911 - बनारस हिन्दू यूनीवर्सिटी सोसाइटी की स्थापना। 1933 - भारतीय प्रसिद्ध हास्य कलाकार एवं निर्देशक बापू का जन?म। 1950 - स्वतन्त्र भारत के प्रथम गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल का निधन। 1953 - भारत की एस विजयलक्ष्मी पंडित संयुक्त राष्ट्र महासभा के आठवें सत्र की प्रथम महिला अध्यक्ष चुनी गई। 1961 - बंगलादेश में गंगा नदी के तट पर आये चक्रवात में 15 हजार लोगों की मौत। 1966 - दुनिया की सबसे बड़ी एनीमेशन कंपनी के संस्थापक वॉल्ट डिज़्नी का निधन। 1976 - न्यूजीलैंड से स्वतंत्र हुआ समोआ संयुक्त राष्ट्र का सदस्य बना। 1976 - फुटबॉलर बाईचुंग भूटिया का जन?म। 1988 - महिला पहलवान गीता फोगाट का जन?म । 1991 - जाने माने फिल्म निर्माता सत्यजीत रे को सिनेमा जगत में उनकी उपलब्धियों के लिए स्पेशल ऑस्कर से नवाजा गया। 1997 - अरुंधति रॉय को उनके उपन्यास 'द गॉड ऑफ स्मॉल थिंग्स' के लिए ब्रिटेन के प्रतिष्ठित साहित्यिक पुरस्कार 'बुकर पुरस्कार' से नवाजा गया। 2001 - इटली में पीसा की झुकी मीनार को 11 साल बंद रहने के बाद दोबारा खोला गया।

जूही चावला का मुंबई एयरपोर्ट पर गुम हुआ डायमंड झुमका

बोलीं- खोजने वाले को मिलेगा इनाम

नई दिल्ली। बॉलीवुड एक्ट्रेस जूही चावला इन दिनों परेशान हैं। दरअसल, उनका डायमंड झुमका मुंबई एयरपोर्ट पर गिर गया है। इयररिंग गुम होने से परेशान जूही चावला ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लोगों से मदद मांगी है। एक्ट्रेस का कहना है कि वह झुमका ढूंढने वाले को इनाम देंगी। जूही ने झुमके के तस्वीर शेयर करते हुए ट्वीट में लिखा- 'सुबह मैं मुंबई एयरपोर्ट के गेट नंबर 8 पर जा रही थी। एमिरेट्स काउंटर पर मैंने चेक किया, सिक्योरिटी चेक हुआ। इस बीच कहीं मेरा हीरे का झुमका गिर गया। अदक कोई मेरी मदद करेगा तो मैं खुश हो जाऊंगी।' जूही ने आगे लिखा- 'अगर किसी को मेरा झुमका मिलता है तो वह इसकी जानकारी पुलिस को दें। ये मेरा मैचिंग पीस है, जिसे मैं 15 साल से पहन रही हूं। प्लीज ढूंढने में मेरी मदद करें।' इतना ही नहीं जूही ने आगे लिखा कि इयररिंग्स खोजने वाले को इनाम भी दिया जाएगा। जूही का यह ट्वीट सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। लोग जूही की इस पोस्ट पर अपना रिएक्शन भी दे रहे हैं। एक यूजर ने लिखा- आपने अपने झुमके के खोने पर ट्वीट किया है। इसका मतलब है कि आपके लिए यह बेहद खास था। उम्मीद करता हूं कि आपको यह जल्द मिल जाए।

प्रियंका की तस्वीर पर कई सिलेब्रिटीज ने किया कॉमेंट, अक्षय बोले- क्या बात है!

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने कैजुअल डेनिम अवतार में एक तस्वीर शेयर की है, जिस पर उनके तमाम प्रशंसकों के साथ ही बॉलिवुड सिलेब्रिटीज भी कॉमेंट कर रही हैं। वाइट टॉप और ब्लू डेनिम जींस में प्रियंका चोपड़ा ने इंस्टाग्राम पर कई तस्वीरें शेयर की हैं। इस पर ऋतिक रोशन ने कॉमेंट करते हुए लिखा है, 'क्या बात है।' राजकुमार ने लव साइन पोस्ट किया है। फराह खान अली ने प्रियंका चोपड़ा की पोस्ट पर कॉमेंट करते हुए उन्हें 'gorgeous' बताया है। अनुषा धांडेकर ने पीसी की फोटो पर ब्यूटीफुल लिखा है। प्रियंका चोपड़ा ने डेनिम अवतार में इंस्टाग्राम पर तीन तस्वीरें शेयर की हैं। प्रियंका चोपड़ा की पुस्तक Unfinished भी अगले साल की शुरुआत में रिलीज होने वाली है। इस पुस्तक में वह अपनी जिंदगी को लेकर कई अहम खुलासे कर सकती हैं। अपनी पुस्तक के बारे में बताते हुए प्रियंका चोपड़ा ने पिछले दिनों कहा था, 'मैं एक छोटे कस्बे की लड़की थी, जिसके बड़े सपने रहे हैं।

'द कपिल शर्मा शो' से बाहर होने की खबर पर भारती सिंह ने लगाया विराम

नई दिल्ली। कॉमेडियन भारती सिंह ने 'द कपिल शर्मा शो' पर वापसी कर ली है। भारती ने इंस्टाग्राम पर सेट से कुछ तस्वीरें शेयर की हैं, जो वायरल हो रही हैं। लाल रंग के सलवार-कमीज में भारती की यह फोटो काफी खूबसूरत नजर आ रही हैं। इसके साथ भारती सिंह ने हेवी जूलरी पहनी हुई है। फोटो शेयर करते हुए भारती सिंह ने लिखा, लाल रंग दो दिलों की बॉन्डिंग का कलर माना जाता है। कपिल शर्मा शो हर शनिवार-रविवार रात साढ़े नौ बजे।÷ इन फोटोज से भारती सिंह ने कपिल शर्मा शो छोड़ने वाली सभी खबरों पर विराम लगा दिया है। पहले ऐसी बातें सामने आ रही थीं कि कॉमेडियन ने शो को अलविदा कह दिया है, जिसका कारण उनके पास पाए जाने वाला गांजा और फिर गिरफ्तारी है। अब भारती सिंह ने खबरों को खारिज करते हुए शो पर वापसी की फोटोज शेयर की हैं और फैन्स को सरप्राइज दिया है। ईटाइम्स से बातचीत में कृष्णा अभिषेक ने कहा, कपिल और मैं हमेशा भारती सिंह के साथ खड़े रहेंगे, फिर चाहे कुछ भी क्यों न हो जाए। अगर ऐसा होता भी है तो मैं भारती को सपोर्ट करूंगा। उसे काम पर वापस आना ही होगा। जो होगा वो होगा। हम भारती के साथ खड़े हैं, मैं और कपिल।

बिग बॉस हाउस में राखी सावंत के निशाने पर हैं ये दो कंटेस्टेंट, पति को लेकर कही ये बात

नई दिल्ली। बिग बॉस-14 में आखिरकार राखी सावंत की चैलेंजर्स के तौर पर एंट्री हो चुकी है। बिग बॉस हाउस का हिस्सा बनने से पहले राखी ने एक इंटरव्यू में बताया कि वह शो के किन दो सदस्यों को निशाने पर लेंगी। इसके साथ ही उन्होंने अपने पति के बारे में खुलकर बात की है। राखी सावंत के अलावा शो में विकास गुप्ता, कश्मीरा शाह, अर्शी खान और मनु पंजाबी चैलेंजर्स के रोल में नजर आ रहे हैं। शो में टारगेट को लेकर पिंकविला से बातचीत में राखी सावंत ने कहा कि वह कश्मीरा शाह और अर्शी खान को निशाना बनाएंगी। इसके साथ ही उन्होंने अभिनव शुक्ला और रूबीना दिलैक पर भी निशाना साधा। राखी ने कहा कि वह चाहती हैं कि फिर से कविता कौशिक की शो में एंट्री हो। रूबीना पर निशाना साधते हुए राखी ने उन्हें 'डॉमिनेटिंग डॉन' बताया। राखी ने कहा कि वह घर में किसी और को बोलने का मौका नहीं देती हैं।

पीएम किसान : अगर आपके स्टेटस में लिखा है ऐसा तो जरूर आएगा पैसा

नई दिल्ली। पीएम किसान सम्मान निधि की सातवीं किस्त का करोड़ों किसानों को बेसब्री से इंतजार है। एक दिसंबर से 31 मार्च के बीच आने वाली 2000 रुपये की किस्त अबतक नहीं आई है। गेहूं की बुवाई कर चुके किसानों को अब इस रकम की सख्त जरूरत है ताकि वो अपनी फसल को खाद-पानी दे सकें। ऐसे में करीब इस योजना के 11 करोड़ 39 लाख लाभार्थी बार-बार पीएम किसान के पोर्टल पर अपना स्टेटस चेक कर रहे हैं और उन्हें निराशा हाथ लग रही है। निराश मत हों। अगर आपके स्टेटस में FTO is Generated and Payment confirmation is pending या Rft Signed by State Government लिखकर आ रहा है तो यह तय है कि इस हफ्ते या देर-सवेर आपके खाते में 2000 रुपये जरूर गिरेंगे। अगर आप स्टेटस नहीं चेक कर पा रहे हैं तो हम बताते हैं वह तरीका...

ऐसे जानें आपको अबतक कितनी किस्त मिली

पहले पीएम किसान (PM Kisan) की आधिकारिक वेबसाइट https://pmkisan.gov.in/ पर जाएं।

यहां आपको राइट साइड पर 'Farmers Corner' का विकल्प मिलेगा

यहां 'Beneficiary Status' के ऑप्शन पर क्लिक करें। यहां नया पेज खुल जाएगा।

नए पेज पर आधार नंबर, बैंक खाता संख्या या मोबाइल नंबर में से किसी एक विकल्प को चुनिए।

आपने जिस विकल्प का चुनाव किया है, उसका नंबर भरिए। इसके बाद 'Get Data' पर क्लिक करें।

यहां क्लिक करने के बाद आपको सभी ट्रांजेक्शन की जानकारी मिल जाएगी। यानी कौनसी किश्त कब आपके खाते में आई और किस बैंक अकाउंट में क्रेडिट हुई।

सातवीं किस्त से जुड़ी जानकारी भी आपको यहां मिल जाएगी।

यदि आपको 'FTO is generated and Payment confirmation is pending' लिखा हुआ दिख रहा है तो इसका मतलब है कि फंड ट्रांसफर की प्रक्रिया शुरू हो गई है। ये किस्त कुछ ही दिनों में आपके खाते में ट्रांसफर हो जाएगी।

फिर गिरे सोने-चांदी के भाव

नई दिल्ली। सर्राफा बाजारों में आज फिर सोने-चांदी के भाव गिरे हैं। हालांकि यह गिरावट मामूली है। देशभर के सर्राफा बाजारों में शुक्रवार को 24 कैरेट सोने का हाजिर भाव 6 रुपये प्रति 10 ग्राम गिरकर होकर 49040 रुपये पर खुला। जबकि चांदी 276 रुपये सस्ती होकर 62431 रुपये प्रति किलो पर खुली। वहीं 22 कैरेट सोना भी 5 रुपये सस्ता होकर 44921 रुपये पर आ चुका है। बता दें इंडिया बुलियन एंड ज्वैलर्स एसोसिएशन द्वारा जारी इस रेट और आपके शहर के भाव में 500 से 1000 रुपये का अंतर आ सकता है।

आलू के भाव गिरने के बावजूद यहां 50 रुपये किलो बिक रहा

नई दिल्ली। आलू-प्याज-टमाटर हों या चावल-गेहूं-आटा या फिर दाल-तेल-दूध, रोजमर्रा की इन जरूरी चीजों की कीमतों में देश के अलग-अलग हिस्सों में काफी अंतर है। नया आलू आने के बाद देश के पूर्वी इलाकों में भले ही इसका भाव औसतन 32 रुपये किलो हो गया हो पर आपको जानकर यह आश्चर्य होगा कि पूर्वोत्तर में अभी भी आलू का रेट 50 के पार है। उपभोक्ता मंत्रालय की वेबसाइट पर आज यानी सोमवार 14 दिसंबर को देश में आलू का औसत रेट 41 रुपये 50 पैसे है। आंकड़ों के मुताबिक देश में चावल का औसत मूल्य 35 रुपये किलो है। उत्तर क्षेत्र में यह 30 रुपये, पश्चिम में 31.50 रुपये, पूर्वी क्षेत्र में 34.50 रुपये तो दक्षिण क्षेत्र में यह 43.50 रुपये पर पहुंच गया है। किमतों में यह अंतर चावल की किस्मों पर भी निर्भर करती है। वहीं आटा, गेहूं, चना दाल, अरहर, मसूर, मूंग, दूध, चीनी, चाय पत्ती आदि जरूरी चीजों के रेट में काफी अंतर है।

बॉश प्लांट में एक करोड़ पावर टूल्स का निर्माण कार्य पूरा

बॉश के 1 करोड़वें टूल का निर्माण कंपनी की चेन्नई इकाई में किया गया

रायपुर। कंस्ट्रक्शन, वुडवर्क और मैटलवर्क इंडस्ट्री के लिए पावर टूल्स की अग्रणी निर्माता बॉश पावर टूल्स इंडिया ने ऊरागदम, चेन्नई, तमिलनाडु स्थित अपनी इकाई में 1 करोड़वें पावर टूल के निर्माण की घोषणा करते हुए इंजीनियरिंग एवं मैन्यूफैक्चरिंग के क्षेत्रों में अपना दबदबा एक बार फिर साबित कर दिखाया है। यह सुविधा चेन्नई में 2015 के मध्य में स्थाापित की गई थी और फिलहाल यहां 60 से अधिक प्रकार के पावर टूल्स का निर्माण किया जाता है जिनमें कारीगरों एवं फैक्ट्री कर्मियों के लिए आठ प्रकार के पावर टूल्स शामिल हैं।

निशांत सिन्हा, रीजनल बिजनेस डायरेक्टर, इंडिया एंड सार्क रीजन, बॉश पावर टूल्स ने बॉश की इस उपलब्धि के बारे में और जानकारी देते हुए बताया, भारत में बॉश के पावर टूल्स पिछले दो दशकों से साख बनाए हुए हैं और अब चेन्नई प्लांट में 1 करोड़वें पावर टूल का निर्माण भारतीय ग्राहकों के लिए हमारी प्रतिबद्धता दर्शाता है। हमारे प्लांट के ये प्रोडक्टस भारत में बॉश के पावर टूल्स को आगे बढ़ाने में अहम् भूमिका निभाते हैं। यह हमारे यूजर्स के लिए किफायती प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने वाले हमारे सफर में महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हम अपनी समर्पित महिला कर्मियों के आभारी हैं जिनकी इस उपलब्धि के चलते हमने यह उल्लेखनीय मुकाम हासिल किया है। हम अपने माननीय ग्राहकों तथा व्यावसायिक भागीदारों के भी आभारी हैं जिनके सहयोग के चलते हमने इस उपलब्धि को प्राप्त किया है। हमारी चेन्नई इकाई आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय तौर पर योगदान कर रही है।

चेन्नई स्थित यह पावर टूल्स प्लांट बॉश की 'मेड इन इंडिया' रणनीति के अनुरूप कार्य करता है और मात्रा तथा मूल्यों दोनों के लिहाज से भारत के लिए पावर टूल्स का अग्रणी निर्माता है। यह निर्माण इकाई करीब दो एकड़ क्षेत्रफल में फैली है जिसमें समर्पित महिला कर्मियों की टीम तैनात है और भारत के सेल्स, मार्केटिंग एवं लॉजिस्टिक्स परिचालनों के साथ इसका पूरा तालमेल है।

ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी हो रहे चोटिल गेंदबाज एबट बाहर

सिडनी। ऑलराउंडर मोइजेस हेनरिक्स को भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में शामिल किया गया है जबकि तेज गेंदबाज सीन एबट चोट के कारण बाहर हो गए हैं। हैमस्ट्रिंग में खिंचाव के कारण दूसरे प्रैक्टिस मैच से बाहर रहे हेनरिक्स ने सोमवार को फिटनेस टेस्ट पास कर लिया है। वह चार साल बाद टेस्ट टीम में लौटे हैं। पहला टेस्ट 17 दिसंबर को एडिलेड में शुरू होगा। 'क्रिकेट डॉट कॉम डॉट एयू' की रिपोर्ट के अनुसार, ''ऑलराउंडर मोइजेस हेनरिक्स को पहले टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में रखा गया है। ऑस्ट्रेलिया टीम के खिलाड़ियों के चोटिल होने का सिलसिला जारी है। एबट को दूसरे प्रैक्टिस मैच के दौरान चोट लगी थी। उनके हालांकि मेलबर्न में 26 दिसंबर से शुरू होने वाले मेलबर्न टेस्ट तक फिट होने की संभावना है। वह टीम के साथ एडिलेड नहीं जाएंगे। हेनरिक्स ने आखिरी बार चार साल पहले श्रीलंका में टेस्ट खेला था।

यूजीलैंड टीम ने वेस्टइंडीज को हराकर किया क्लीन स्वीप, टेस्ट रैंकिंग में टॉप पर पहुंची

वेलिंग्टन। न्यूजीलैंड टीम ने दूसरे क्रिकेट टेस्ट में वेस्टइंडीज को एक पारी और 12 रन से हराकर दो मैचों की सीरीज में क्लीन स्वीप कर लिया और टेस्ट रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया के साथ टॉप पर भी पहुंच गई। वेस्टइंडीज ने चौथे दिन सोमवार को छह विकेट पर 244 रन से आगे खेलना शुरू किया। पहली पारी में 329 रन से पिछड़ने के बाद फॉलोआन खेलते हुए उसे पारी की हार टालने के लिए 85 रन की जरूरत थी। वेस्टइंडीज टीम 317 रन पर आउट हो गई जो इस सीरीज में उसका टॉप स्कोर था। बारिश के कारण खेल थोड़ी देर से शुरू हुआ था लेकिन न्यूजीलैंड ने पॉजिटिव शुरूआत की। वेस्टइंडीज के कप्तान जेसन होल्डर दिन में चौथे ओवर में आउट हो गए। होल्डर ने 61 रन बनाए और जोशुआ डा सिल्वा के साथ 82 रन की साझेदारी भी की। उन्हें टिम साउदी ने बोल्ड किया। अल्जारी जोसेफ ने दो छक्के और तीन चौके समेत 24 रन बनाए लेकिन साउदी की गेंद पर विकेटकीपर बी जे वॉटलिंग को कैच दे बैठे। साउदी का यह मैच में सातवां विकेट था और उनके कुल 296 विकेट हो गए हैं।

AUS vs IND | एडिलेड में 17 दिसम्बर होगा पहला डे-नाईट टेस्ट मुकाबले

नेट्स पर विराट कोहली से मिली सलाह आई काम, मयंक अग्रवाल ने खेली बेहतरीन पारी

नई दिल्ली। भारतीय कप्तान विराट कोहली ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 17 दिसम्बर होने वाले पहले डे-नाईट टेस्ट मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच के दौरान सलामी बल्लेबाज मयंक अग्रवाल के लिए नेट्स पर मेंटर बन गए और विराट की सलाह का मयंक को पूरा फायदा मिला। मयंक ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चार मुकाबलों की टेस्ट सीरीज में शामिल है। मयंक ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ पिछले सप्ताह खेले गए पहले प्रैक्टिस मैच में नहीं खेले थे और डे-नाइट टेस्ट के दूसरे प्रैक्टिस मैच की पहली पारी में मात्र दो रन बनाकर आउट हो गए थे।

विराट ने नेट अभ्यास में मयंक की बल्लेबाजी पर खास तौर पर नजर रखी और उन्हें गलती सुधारने की सलाह दी। विराट के मार्गदर्शन का मयंक का फायदा भी मिला और उन्होंने दूसरी पारी में 120 गेंदों का सामना करते हुए दो छक्कों और चार चौकों की मदद से 61 रन बनाए। विराट ने अभ्यास मैच से पहले शुक्रवार को मयंक के साथ नेट्स पर आधा घंटा बिताया और इस दौरान उन्होंने मयंक को कहा, ÷मेरे बिना कुछ बताये तुमने आखिरी कुछ गेंदों को अच्छे से सामना किया।÷ विराट के मार्गदर्शन से मयंक भी काफी अच्छा महसूस करते हुए दिखाई दिए और इसका नतीजा उनकी बल्लेबाजी में भी दिखा।

मयंक ने विराट के सलाह-परामर्श के अलावा तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का भी नेट्स में सामना किया और इस दौरान ऑफ स्टंप के बाहर कई शॉट्स खेलते हुए उनके बल्ले से कई गेंद किनारा लग कर भी गई जिसके बाद वह खुद को कुछ समझाते हुए भी दिखे। मयंक नेट्स में जिस गेंदों का सामना कर रहे थे वो उसी तरह थी जो ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज सीन एबॉट ने उन्हें सिडनी के प्रैक्टिस मैच में पिंक बॉल से डाली थीं।

मांजरेकर ने बताया टेस्ट में किस खिलाड़ी की कमी सबसे ज्यादा खेलेगी

नई दिल्ली। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 17 दिसंबर से चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर-गावस्कर सीरीज खेली जानी है। सीरीज का पहला टेस्ट मैच एडिलेड में खेला जाना है, जो कि डे-नाइट टेस्ट होगा। 2018-19 में भारत ने ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज 2-1 से अपने नाम की थी और पहली ऐसी एशियाई टीम बनी थी, जिसने ऑस्ट्रेलिया को ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज में हराया। विराट कोहली एडिलेड टेस्ट मैच के बाद पैटरनिटी लीव पर स्वदेश लौट आएंगे। ईशांत शर्मा टेस्ट सीरीज से बाहर हो चुके हैं, जबकि रोहित शर्मा पहले दो टेस्ट मैच में नहीं खेल सकेंगे। ऐसे में पूर्व क्रिकेटर और कमेंटेटर संजय मांजरेकर का मानना है कि ईशांत की कमी टीम इंडिया को बहुत खलेगी।

रविंद्र जडेजा भी चोटिल हैं, पहले टी20 इंटरनैशनल मैच में कन्कशन और हैमस्ट्रिंग इंजरी के चलते वह बाकी दो टी20 इंटरनैशनल मैच नहीं खेल सके थे। मांजरेकर ने कहा, 'टीम इंडिया को ईशांत शर्मा की बहुत ज्यादा कमी खलने वाली है क्योंकि वह तीसरे तेज गेंदबाज हैं। वह इस बात को तय करते थे कि विरोधी टीम के बल्लेबाजों पर दबाव बना रहे। मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह आपके सीम गेंदबाज हैं और आपको ऐसे गेंदबाज की जरूरत होती है, जो आउटसाइड ऑफ स्टंप लाइन पर गेंदबाजी करते रहे और रन ना देकर दबाव बनाए रखे।' उन्होंने आगे कहा, 'तीन-चार साल पहले ईशांत ने जिस तरह से गेंदबाजी की है, उससे उनकी जिंदगी बदल गई है। हम सिर्फ उनकी किफायती गेंदबाजी ही नहीं, उनके पांच विकेट वाले बॉलिंग फिगर को भी देख चुके हैं।' भारत ने जब पिछली बार ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज जीती थी, तो ईशांत शर्मा का उसमें अहम रोल रहा था। ऐसे में उनकी कमी टीम इंडिया को जरूर खलने वाली है।

भवानी बाल मंदिर की शिक्षिकाओं के लंबित वेतन का शीघ्र करवायें भुगतान-कलेक्टर

■ **कलेक्टर ने जनचौपाल में सुनी लोगों की समस्यायें, त्वरित निराकरण के दिये निर्देश**

नव प्रदेश संवाददाता

रायगढ़। कलेक्टर भीम सिंह ने आज जनचौपाल में लोगों की समस्यायें सुनी। भवानी बाल मंदिर की शिक्षिकायें संचालक द्वारा अकारण ही वेतन रोक देने की शिकायत लेकर पहुंची थी। शिक्षिकाओं ने बताया कि शासन-प्रशासन के निर्देशों के बावजूद लॉक डाउन के दौरान भी वेतन नहीं दिया गया। कलेक्टर श्री सिंह ने जिला शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया कि शिक्षिकाओं के लंबित वेतन का भुगतान करवायें और यदि संचालक द्वारा वेतन नहीं दिया जाता है तो उस पर सख्त कार्यवाही करें।

रायगढ़ विकासखण्ड से पहुंची महिला ने बताया कि सड़क दुर्घटना में उनके पति का देहांत हो गया है, जिसके पश्चात उन्हें मुआवजा राशि नहीं मिली है। कलेक्टर श्री सिंह ने एसडीएम रायगढ़ को निर्देशित करते हुये कहा कि नियमानुसार महिला को मुआवजा राशि तत्काल दी जाये। साथ ही लीड बैंक मैनेजर को निर्देशित किया कि महिला के पति का जनधन खाता है जिस पर दुर्घटना बीमा के तहत 30 हजार राशि मिलने का प्रावधान है वह

महिला को शीघ्र दिलवाये। उन्होंने समाज कल्याण अधिकारी को विभागीय योजनाओं के अंतर्गत महिला को आर्थिक सहायता प्रदान करने के निर्देश दिये। लैलूंगा विकासखण्ड होर्रागुड़ा से आये भुनेश्वर विसी और दशरथ राम यादव ने अपने गांव में निस्तारी के लिये जल स्त्रोत की व्यवस्था नहीं होने पर तालाब की मांग लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर श्री सिंह ने उन्हें आश्वस्त किया कि शीघ्र ही उनके गांव में तालाब खुदवाया जायेगा।

ग्राम मौदापाली से पहुंचे उमेश मिरी ने बताया कि वह रायपुर में अध्ययनरत है। वह एक आंख से दिव्यांग है तथा घर की आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वहां रहने में दिक्कत हो रही है। कलेक्टर श्री सिंह ने तत्काल समाज कल्याण अधिकारी को निर्देशित किया कि रायपुर पत्राचार करके उमेश के लिये वहां निःशुल्क छात्रावास की व्यवस्था करवायी जाये। आज जनचौपाल में जिले से विभिन्न लोग राशन कार्ड निर्माण व उसके स्थानांतरण, प्रधानमंत्री आवास की किश्त, शौचालय निर्माण की पूरी राशि नहीं मिलने जैसी समस्याओं को लेकर पहुंचे थे। कलेक्टर श्री सिंह ने संबंधित अधिकारियों को प्राप्त प्रकरणों पर तत्काल कार्यवाही करते हुये निराकरण करने के निर्देश दिये।

ग्रामीण क्षेत्र के आदिवासियों को वनाधिकार पट्टा दिलाने मेरा संकल्प अटल - लोकेश चन्द्राकर

महासमुन्द (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ महिला किसान मंच महासमुन्द महिला स्वयं सहायता संघ द्वारा आयोजित जल जंगल जमीन एवं सामुदायिक वनाधिकार संरक्षण पर एक दिवसीय संवाद सम्मेलन में विशेष मुख्य अतिथि के रूप में महासमुन्द जनपद क्षेत्र क्रमांक 14 की जनपद सदस्या श्रीमती निधि लोकेश चन्द्राकर एवं प्रतिनिधि व समाज सेवक लोकेश चन्द्राकर शरीक हुए। साथ ही जिला पंचायत उपाध्यक्ष लक्ष्मण पटेल व सरपंच जगन्नाथ खैरवार सहित महासमुन्द विकासखंड के लगभग 400 महिलाओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। ग्राम पंचायत बांसकुड़ा के आश्रित ग्राम कुहरी में एक दिवसीय सम्मेलन आज स्थानीय ग्राम कुहरी पड़ाव आयोजित की गई।जिसमें जनपद सदस्या श्रीमती निधि द्वारा कहा गया कि आज सम्पूर्ण समाज मे केवल 20 प्रतिशत आदिवासी समाज हैं व 50 प्रतिशत का मुनाफा शासन को इसी जंगल से होता है तो शासन को भी आपको सहयोग करना चाइये क्यो क्योकि,आदिवासियों से ही जंगल की सुरक्षा सही तरीके से की जाए । ततपश्चात समाज सेवक लोकेश चन्द्राकर ने भी आदिवासी के हित के लिये पुरजोर प्रयास करने में कोई कसर नही छोड़ेंगे और लगभग 6 से 8 माह के दौरान आदिवासी को वनाधिकार पट्टा दिलायेंगे। आज जंगल के जंगल उजड़ रहे हैं। आदिवासी अपनी जमीन से बेदखल हो रहे हैं लेकिन सरकार मानने के लिए तैयार ही नहीं है कि आदिवासियों का भविष्य जमीन से जुड़ा है। आजादी के बाद देश का विकास हुआ, विकास होना भी चाहिए, लेकिन इसकी सबसे ज्यादा कीमत आदिवासियों ने चुकायी, बोकारो स्टील हो, एचइसी हो, राउरकेला स्टील प्लांट हो, सभी जगह उस क्षेत्र के आदिवासी विस्थापित हुए, आज इनकी हालत कोई इन गांवों में जाकर देखें, जमीन से बेदखल होने के बाद आदिवासी कहीं के नहीं रहे, विस्थापन का ख्याल सरकारों ने नहीं किया।

बच्चों, श्रवण बाधित सहित अधिकारी-कर्मचारियों ने लगाई दौड़

बघेल सरकार के दो साल पूरे होने पर वर्चुअल मैराथन

महासमुंद (नव प्रदेश)। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल सरकार के दो साल पूरे होने पर महासमुंद ज़िले में आज सुबह 6 बजे से 11 बजे तक वर्चुअल मैराथन में ज़िला प्रशासन के अधिकारी-कर्मचारियों से लेकर जनप्रतिनिधि. गणमान्य नागरिक, खिलाड़ी, के साथ नन्ने-मुन्ने बच्चों, बागबाहरा और पिथौरा की श्रवण बाधित दिव्यांग बालिका ईश्वरी निषाद- संभर, बागबाहरा श्रृति प्रधान - बोईरडीही, पिथौरा आदि ने हिस्सा लिया और दौड़ लगाई । पूरे प्रदेश में पहली बार आयोजित हुई इस अनोखी वर्चुअल मैराथन को लेकर ज़िले में लोगों में जबरदस्त उत्साह दिख है। महासमुंद ज़िले में दौड़ की शुरुआत (सुबह 6 बजे से) लेकर 10 बजे तक लगभग 1000 से हज़ार से ज्यादा लोग अपनी फोटो वेबसाइट में अपलोड कर चुके हैं। बाकी लोग भी बहुत तेज़ी से अपनी फोटो और वीडियो अपलोड कर रहे है।ज़िले में 2208 लोगों ने वर्चुअल मैराथन के लिए आन लाइन पंजीयन किया था। कलेक्टर कार्तिकेया गोयल,पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल कुमार ठाकुर,अपर कलेक्टर जोगेंद्र कुमार नायक,एसडीएम सुनील चंद्रवंशी वर्चुअल मैराथन में दौड़ लगाई। वहीं जनप्रतिनिधि सहित ज़िला अफसर भी इस खास आयोजन में शामिल हुए। आपको बता दें कि इस तरह का वर्चुअल मैराथन पहली बार छत्तीसगढ़ में आयोजित हो रहा है। इससे पहले कई बार छत्तीसगढ़ में राज्य और ज़िला स्तर पर मैराथन आयोजित की जाती रही है।

बंधनमुक्त राष्ट्रीय बाजार से किसानों की आय बढ़ेगी-किरण देव

कृषि कानून एक देश एक कृषि बाजार बनाने कि दिशा में ऐतिहासिक कदम- लता उसेंडी

नव प्रदेश संवाददाता

कोण्डागांव। हाल ही में पारित तीन महत्वपूर्ण किसानों से जुड़े बिल के समर्थन में, तथ्यों एवं पहलुओं को रखते हुए प्रदेश स्तरीय प्रेस कॉन्फ्रेंस जिला मुख्यालय स्थित अटल सदन मे आयोजित हुई । उक्त वार्ता मे भाजपा प्रदेश महामंत्री किरण देव सांसद कांकेर मोहन मंडावी प्रदेश उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी एवं जिलाध्यक्ष दीपेश अरोरा द्वारा विस्तार से प्रकाश डालकर उक्त बिल के विरोध में व्याप्त भ्रम को दूर किया गया ।

फसल बुआई से पहले और कटाई के बाद, दोनों स्थिति में आवश्यकता से अनुरूप कमाई के बेहतर विकल्प मौजूद रहेंगे । ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक निवेश और इनोवेशन होगा जिससे ग्रामीण युवाओं में अधिक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होंगे। कांकेर सांसद मोहन मंडावी ने बताया कि केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर किसानों के साथ कई दफे बातचीत कर चुके हैं । किसानों को भ्रामक जानकारी दी जा रही है । उन्हें जानबूझकर उत्तेजित किया जा रहा है।

प्रदेश महामंत्री किरण देव ने कहा कि बंधनमुक्त राष्ट्रीय बाजार से किसानों की आय बढ़ेगी । वही दूसरी ओर एम एस पी सिस्टम जारी रहेगा अपितु किसान अधिक दाम के लिए खरीदार से मोलभाव कर सकते हैं । किसान एपीएमसी मंडियों में और बाहर भी, जहां दाम अधिक मिले, बेच सकते हैं । इससे फसल के मूल्यों में अप्रत्याशित उतार-चढ़ाव से मुक्ति मिलेगी । किसानों की आमदनी बढ़ेगी एवं उच्च मूल्य की नई किस्मों के लिए बाजार उपलब्ध होगा । फसल बुआई से पहले और कटाई के बाद, दोनों स्थिति में आवश्यकता से अनुरूप कमाई के बेहतर विकल्प मौजूद रहेंगे । ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक निवेश और इनोवेशन होगा जिससे ग्रामीण युवाओं में अधिक रोजगार के अवसर सुनिश्चित होंगे ।

कांकेर सांसद मोहन मंडावी ने बताया कि केन्द्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर किसानों के साथ कई दफे बातचीत कर चुके हैं । किसानों को भ्रामक जानकारी दी जा रही है । उन्हें जानबूझकर उत्तेजित किया जा रहा है । खुद पीएम मोदी ने किसानों से कहा है कि कृषि बिल को लेकर झूठ फैलाया जा रहा है ।

सुश्री लता उसेंडी ने किसान आंदोलन पर फैलाए जा रहे भ्रम पर कहा कि यह एक देश एक कृषि बाज़ार बनाने की दिशा में लिया गया ऐतिहासिक कदम है । उन्होंने कहा कि एमएसपी सिस्टम जारी है व आगे भी जारी रहेगा । किसानों को पूरी ताकत दी जाएगी कि वे उपज का मूल्य तय करें । भुगतान तय समय सीमा के अंदर करना होगा, अन्यथा कानूनी कार्रवाई होगी और जुर्माना लगेगा । अनुबंध पश्चात किसानों को बिचौलियों कि आवश्यकता नहीं रहेगी जिससे खारीदार सीधे खेत से उपज प्राप्त कर सकेंगे । विवाद की स्थिति में किसानों को सीधा न्यायालय नहीं जाना होगा अपितु स्थानीय विवाद निपटारण तंत्र के माध्यम से विवादों का निपटारा सुनिश्चित होगा । नया कृषि कानून किसानों को शोषण के भय के बिना समानता के आधार पर प्रसंस्करणकर्ता, एग्रीगेटर्स, थोक विक्रेताओं, बड़े खुदरा कारोबारियों, निर्यातकों आदि के साथ जुड़ने को सक्षम बनाएगा ।

भाजपा का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर प्रारंभ

नव प्रदेश संवाददाता

नगरी। भारतीय जनता पार्टी कुकरेल मंडल द्वारा आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग का शुभारंभ हुआ। इस प्रशिक्षण वर्ग में मंडल के सभी बूथों में निवासरत कार्यकर्ताओं को दो दिनों तक प्रशिक्षण दिया जायेगा। प्रथम दिवस उद्घाटन सत्र का शुभारंभ अतिथियों ने भारत माता व महापुरूषों के छाया चित्र पर माल्यार्पण तथा पूजा अर्चना कर किया। ततपश्चात कार्यक्रम के मुख्य वक्ता पूर्व भाजपा जिलाध्यक्ष धमतरी रामू रोहरा जी ने कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। ततपश्चात विभिन्न सत्रों के के वक्ताओं ने अपने अपने विषयों पर कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। आज के कार्यक्रम की अध्यक्षता भाजपा मंडल कुकरेल अध्यक्ष श्री टेलेश्वर ठाकुर जी ने किया, कार्यक्रम में मुख्यरूप से डा.शिवराज शाह पूर्व मंत्री म.प्र. श्रीमती पिंकी शाह जी पूर्व विधायक सिहावा, श्री श्रवण मरकाम जी पूर्व विधायक सिहावा, श्री कवीन्द्र जैन जी जिला महामंत्री, श्री राजेन्द्र गोलछा जी जिला मंत्री, श्री नागेन्द्र शुक्ला जी पूर्व जिला महामंत्री, श्री महेंद्र पंडित जी भाजपा धमतरी मुख्य वक्ता के रूप उपस्थित रहे। साथ ही फत्तेलाल ध्रुव पूर्व सभापति जिला पंचायत धमतरी, महामंत्री द्वय वामन साहू, अखिलेश प्रजापति, महेश गोटा सरपंच, श्रीमति चन्द्रकला साहू,सरपंच श्रीमति ईश्वरी नेताम,घनश्याम साहू ,गिरवर सेन,हरेन्द्र राजपूत,श्रीमति तारा बाई मंडावी, राजेन्द्र साहू,बृजलाल मंडावी सहित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

जब नन्ही अनायशा सोनी ने भी वर्चुअल मैराथन में लगाई दौड़

पिता कलेक्टर दीपक सोनी संग दौड़ी 5 साल की बिटिया अनायशा, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने दी प्रेरणा।

दंतेवाड़ा (नव प्रदेश)। दंतेवाड़ा तो फिर ऐसे में नन्ही अनायशा सोनी कहां पीछे रहने वाली थी वर्चुअल मैराथन के तैयारियों के साथ रविवार के दिन जैसे ही मैराथन का आगाज हुआ लाडली अनायशा ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ मैराथन में भाग लिया। 5 साल की प्यारी बिटिया आनयशा का उत्साह देखते ही बनता था। ना केवल बिटिया ने मैराथन में भाग लिया बल्कि सभी को स्वस्थ रहने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने के लिए प्रेरित भी किया। बड़ी संख्या में लोग उत्साह पूर्वक शामिल हुए वर्चुअल मैराथन में सुबह से विभिन्न स्थानों पर कोविड़-19 के नियमों का पालन करते हुए दौड़ लगाते दिखे, साथ ही इसे मिडिया प्लेटफार्म जैसे- फेसबुक, ट्विटर में ''हैसटैग रन विथ छत्तीसगढ़'' में अपलोड भी किया गया। जिले के जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण और युवाओं ने इस वर्चुअल मैराथन में उत्साह पूर्वक हिस्सा लिया। जिला कलेक्टर, जिला पंचायत के सीईओ, एसडीएम सहित सैकड़ों युवाओ ने आज सुबह वर्चुअल मैराथन में दौड़ लगाई। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ शासन द्वारा प्रदेशवासियों से कोविड-19 के नियमों का पालन करते हुए वर्चुअल मैराथन में प्रतिभागियों को अपने घर, उद्यान, मैदान, सड़क या अन्य किसी सुरक्षित स्थान पर सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करते हुए दौड़ लगाने की अपील की गई थी और दौड़ लगाते हुए कुछ सेकेण्ड का वीडियो भी मीडिया प्लेटफार्म में अपलोड करने कहा गया था, इस अभियान में जिले के सैकड़ों युवाओं ने भी उत्साह पूर्वक मैराथन मे हिस्सा लिया।

धान उपार्जन केंद्रों में चालू हुआ उठाव

नवप्रदेश संवाददाता

महासमुंद। खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 हेतु समर्थन मूल्य पर धान उपार्जन का कार्य अपनी पूर्ण गति से चल रहा है । जिलें में वर्तमान में 138 उपार्जन केंद्रों के माध्यम से 44600 किसानों से 1361304 क्विंटल की खरीदी की जा चुकी है । यानी ककि अब तक 254.37 करोड़ रुपए की धान खरीदी की गई है . इस वर्ष किसानों द्वारा बेची गई फसल का भुगतान सीधे क्क्करुद्धष्ट स्नद्धह्लह्यद्धरु रूह्लत्रश्चरूश्चह्ज्ञ स्श्चक्रड्ढद्धष्टश्च (सार्वजनिक वित्तीय प्रबंधन सेवा) (पीएफएमएस)के माध्यम से किया जा रहा है । इसके अतिरिक्त तकनीकी कारणों से किसानों के रकबा में जो त्रुटि हुई थी उसका सुधार भी आनलाईन माध्यम से किया जा रहा है ।

अधिकारियों ने बताया कि कोविड -19 के कारण जहां सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है ।सभी औद्योगिक कार्य बंद रहे है ।ऐसी स्थिति में भी ज़िले में धान सुचारू रूप से उपार्जन हेतु पर्याप्त मात्रा में बारदाना की व्यवस्था जिला प्रशासन द्वारा विभिन्न माध्यम से की गई है। अधिकारियों ने बताया कि जिले में पर्याप्त मात्रा में बारदाना उपलब्ध है । वहीं धान मिलर्स द्वारा भी उपार्जन केंद्रो में बारदाना की नियमित रूप से आपूर्ति की जा रही है।

भाजपा नवागढ़ का प्रशिक्षण शिविर आज से प्रारम्भ

नव प्रदेश संवाददाता

नवागढ़। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर अखिल भारतीय मण्डल स्तरीय प्रशिक्षण योजना के तहत नवागढ़ मण्डल में दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर का आयोजन 15 से 16 दिसंबर तक जायसवाल धर्मशाला नवागढ़ में किया गया है। जिसके सुबह 10 बजे उद्घाटन सत्र में अतिथि के रूप में वरिष्ठ भाजपा नेता राकेश पांडेय, भिलाई जिलाध्यक्ष सांवला राम डहरे एवं बेमेतरा जिलाध्यक्ष ओमप्रकाश जोशी शामिल होंगे। साथ ही प्रदेश मंत्री संध्या परगिनहा एवं जिला महामंत्री विकास धर दीवान भी उपस्थित रहेंगे। प्रशिक्षण के प्रथम सत्र 11.30 से 12.30 बजे में प्रदेश मंत्री संध्या परगिनहा सोशल मीडिया के उपयोग पर, द्वितीय सत्र 12.30 से 1.30 बजे में पुर्व संसदीय सचिव लाभचंद बाफना पिछले 6 सालों में हुए अंत्योदय प्रयत्न,चतुर्थ सत्र 3.30 से 4.30 बजे में जिला पंचायत उपाध्यक्ष अजय तिवारी हमारी विचारधारा एवं पंचम सत्र 4.30 से 5.30 बजे जिला उपाध्यक्ष टार्जन साहू हमारी कार्यपद्धति पर अपना - अपना उद्बोधन देंगे।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

मुख्यमंत्री ने सरगुजा....

मुख्यमंत्री बघेल ने जिन कार्यो का भूमिपूजन किया उनमें 82 करोड़ रूपए की लागत से बनने वाले अम्बिकापुर दरिमा नवानगर मार्ग निर्माण (हवाई पट्टी एवं ब्लॉक मुख्यालय तक 36 किलोमीटर का मुख्य मार्ग), लगभग 43 करोड़ रूपए की लागत से अम्बिकापुर से दरिमा मार्ग का चौड़ीकरण एवं उन्नयन कार्य, लगभग 27 करोड़ रूपए की लागत से सीतापुर में चलता से हर्रामार्ग तक पुलिया सहित 20 किलोमीटर सड़क निर्माण कार्य, लगभग 26 करोड़ रूपए की लागत से 124 बसाहटों में सोलर आधारित नल-जल योजना के कार्य और लगभग 19 करोड़ रूपए की लागत से सीतापुर में चिरंगा से घण्टाडही गोविंदपुर तक पुल-पुलिया सहित 11 किलोमीटर सड़क निर्माण के कार्य शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने जिन कार्यो का लोकार्पण किया, उनमें लगभग 4 करोड़ रूपए की लागत से सीतापुर क्षेत्र में राताखार नदी पर नर्मदापुर-काराबेल रोड़ से उदुमकेला-आमापारा मार्ग पर नवनिर्मित पुल, 2 करोड़ रूपए की लागत से लुण्ड्रा क्षेत्र में कुसू से प्रतापपुर मार्ग पर बरनई नदी पर निर्मित पुल एक करोड़ रूपए की लागत से अम्बिकापुर क्षेत्र में बिलासपुर रोड़ से गुमगराकला मार्ग पर चुलहुट नदी पर पुल निर्माण, एक करोड़ रूपए की लागत से अम्बिकापुर क्षेत्र में भुकुरमा नदी पर निर्मित पुल और छत्तीसगढ़ पुलिस हाउसिंग कारपोरेशन द्वारा अम्बिकापुर क्षेत्र में 50 लाख रूपए की लागत से निर्मित लखनपुर थाना भवन शामिल है। इस अवसर पर पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री टी.एस. सिंहदेव, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, खाद्य मंत्री अमरजीत भगत, नगरीय प्रशासन मंत्री डॉ. शिव कुमार डहरिया, उच्च शिक्षा मंत्री उमेश पटेल, संसदीय सचिव चिंतामणि महाराज, सरगुजा क्षेत्र आदिवासी विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष बृहस्पति सिंह, राज्य खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति निगम के अध्यक्ष रामगोपाल अग्रवाल भी उपस्थित थे।

000

19 दिन से जारी किसान...

मीटिंग के बाद कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा, ÷तमिलनाडु, तेलंगाना, महाराष्ट्र, बिहार से ऑल इंडिया किसान को-ऑर्डनेशन कमिटी के सदस्य आए थे। उन्होंने कृषि कानूनों का समर्थन किया और इस बारे में हमें एक चिट्ठी दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार ने यह किसानों के कल्याण के लिए किया है और वो उसका स्वागत एवं समर्थन करते हैं।

40 किसान यूनियनों से हो रही है बातचीत

प्रदर्शनकारी किसानों की 40 यूनियनों के प्रतिनिधियों के साथ सरकार की बातचीत की अगुवाई तोमर कर रहे हैं। इसमें उनके साथ केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग तथा खाद्य मंत्री पीयूष गोयल तथा वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री सोम प्रकाश शामिल हैं। केंद्र और किसान नेताओं के बीच अब तक हुई पांच दौर की वार्ताएं बेनतीजा रही हैं। सरकार ने किसान संघों को एक मसौदा प्रस्ताव उनके विचारार्थ भेजा है, जिसमें न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को जारी रखने का लिखित आश्वासन भी है, लेकिन किसान यूनियनों ने इस प्रस्ताव को खारिज कर दिया है और कानूनों को निरस्त करने की मांग की है। तोमर ने कहा कि ये कानून किसानों की जिंदगी बदलने वाले हैं और इन कानूनों के पीछे सरकार की नीति और मंशा स्पष्ट है।

शाह और तोमर की मुलाकात

उधर, गृह मंत्री अमित शाह ने उनकी मांगों और संबंधित मुद्दों पर चर्चा के लिए कृषि मंत्री नरेंद्र सिंह तोमर के साथ बैठक की। चूंकि किसानों का आंदोलन 19वें दिन भी जारी रहा, दोनों मंत्रियों ने विरोध प्रदर्शन को जल्द से जल्द समाप्त करने के लिए उनकी मांगों को हल करने के तरीकों पर चर्चा की। जल्द समाधान किए जाने की इसलिए भी जरूरत है क्योंकि किसानों के आंदोलन से दिल्ली और इसके आसपास के क्षेत्रों की प्रमुख सड़कें बाधित होने के कारण विभिन्न जरूरी चीजों की आपूर्ति प्रभावित हो रही है। इसके साथ ही आमजन के आवामगन पर भी बुरा प्रभाव पड़ा है। सूत्रों ने कहा कि शाह के 6, कृष्ण मेनन मार्ग स्थित आवास पर हुई बैठक में दोनों ने देशभर के किसानों और उनके नेताओं से संपर्क के बाद गतिरोध को दूर करने के लिए एक विस्तृत योजना बनाई है। लगभग 40 मिनट की बैठक में दोनों नेताओं ने कथित तौर पर उन 32 किसान प्रतिनिधियों के साथ फिर से संपर्क करने के विचार पर चर्चा की, जिन्होंने अब तक केंद्र के साथ पांच दौर की वार्ता की है। रविवार को शाह ने अपने आवास पर तोमर की उपस्थिति में पंजाब भाजपा नेताओं के साथ भी किसानों के मुद्दों पर चर्चा की। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्य मंत्री सोम प्रकाश भी बैठक में मौजूद रहे।

0000

आईईडी ब्लास्ट से घायल...

पुलिस महानिदेशक डी.एम.अवस्थी सहित पुलिस एवं सीआरपीएफ के आला अधिकारी इस मौके पर मौजूद थे। शहीद डिप्टी कमान्डेंट उत्तरप्रदेश के मुजफ्फरनगर जिले के निवासी थे।उनका पार्थिव शरीर उनके गृह ग्राम रवाना किया जा रहा है।

न्यायालय तहसीलदार केशकाल के न्यायालय में मामला क्रमांक 202012201000001/14

विषय-ब-121 मामले की श्रेणी- राजस्व सन् 2020-21
कोन्हेड़ प.ह.नं. 00010 (8/4/क(0.0890हे.)
पक्षकारों का विवरण-
आवेदक पक्षकार - सोनऊ
अनावेदक पक्षकार -

ईश्तहार

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सोनऊ पिता जयसिंग जाति मुरिया निवासी ग्राम होनहेड तहसील केशकाल जिल कोंडागांव द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया है कि स्वयं के नाम पर ग्राम होनहेड़ प.ह.नं. 10 होनहेड रा.नि.मं. केशकाल तहसील केशकाल जिला कोण्डागांव छ.ग. स्थित भूमि खसरा नं. क्रमशः 8/4/क, 23/1, 43/8/क, 43/9/क, 43/10/क, 43/20/क, 43/27, 43/38/क, 45/1 ख.नं. 09 कुल रकबा 6.040 हे. कृषि भूमि राजस्व अभिलेख में संयुक्त खाते में दर्ज है। उक्त भूमि का किसान किताब गुम हो जाने के कारण खोजबीन करने के उपरांत भी कहीं नहीं मिलने पर द्वितीय प्रति किसान किताब प्रदाय करने हेतु इस न्यायालय में आवेदन पत्र प्राप्त हुआ है। राजस्व अभिलेख बी-1, बेबाकी प्रमाण पत्र, चालान की मूल प्रति, एफ.आई.आर. रिपोर्ट के साथ आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है। इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/ संस्था को दावा आपत्ति हो तो प्रकरण सुनवाई दिनांक 16/12/2020 तक स्वयं या अपने अधिवक्ता के द्वारा अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकता है। समयावधि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पद मुद्रा से आज दिनांक 02/12/2020 को जारी किया जाता हैं।

सील

RAKESH KUMAR SAHU
अतिरिक्त तहसीलदार
केशकाल

कार्यालय कार्यपालन अभियंता लोक निर्माण विभाग
संभाग क्रमांक-2 बिलासपुर (छ.ग.)
(झूलेलाल धर्मशाला के बगल में, कचरभाठा केम्प जिला-बिलासपुर)
E-mail ID-ee.2bsp@trdiffmail.com

निविदा आमंत्रण सूचना

क्रमांक -3857/NIT-18/2020-21/SAC दिनांक 11.12.2020
निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि 22.12.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
ठेकेदार द्वारा प्रस्तुत निविदाएं प्राप्त करने की अंतिम तिथि 29.12.2020 अपरान्ह 5.30 बजे तक
निविदा खोलने की तिथि 30.12.2020 अपरान्ह 11.30 बजे तक

एन.आई. टी. क्र. निविदा	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख में) अमानत राशि एवं बैंक साल्वेंसी (रु.में)
18 T0069	वर्ष 2020-21 में खनिज न्यास के अंतर्गत शासकीय उच्चतर मा. वि. उस्लापुर जिला बिलासपुर में कोटा स्टोन लगाने हेतु कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	5.00 5000.00 75000.00
18 T0070	वर्ष 2020-21 में खनिज न्यास के अंतर्गत शासकीय कन्या सेकेण्ड्री स्कूल भवन तखतपुर में कोटा स्टोन लगाने हेतु कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	5.00 5000.00 75000.00
18 T0071	वर्ष 2020-21 में खनिज न्यास के अंतर्गत शासकीय उच्चतर मा. वि. बिल्हा जिला बिलासपुर में उन्नयन एवं मरम्मत कार्य। (द्वितीय आमंत्रण)	5.00 5000.00 75000.00

निविदा संबंधी शर्तें विभागीय वेबसाईड www.cg.nic.in/pwdraipur में Live Tender के अंतर्गत निविदा प्रपत्र में उपलब्ध है। इनका अवलोकन संबंधित संभाग कार्यालय में किया जा सकता है।

कार्यपालन अभियंता
लो.नि.वि. (भ/स) संभाग क्र.-2
जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

जी-85598/3

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक यशवंत धोटे द्वारा बंसल स्कूल कैम्पस, अशोक विहार कॉलोनी, पण्डरी से मुद्रित कर कुबेर प्लाजा शॉप नं. 226 सेकंड फ्लोर लिंक रोड बिलासपुर से प्रकाशित, संपादक- रविशंकर शुक्ला*
RNI NO.CHHHIN/2015/62431, डाक पंजीयन क्रमांक जी.2-112/सी.जी./बी.एल.पी./108/2020-2022, email: navpradesh@gmail.com, फोन व फैक्स : 07752-400878

■ न्यूज गैलरी

36 लाख की तेंदुए की खाल, हिरण के 4 सींग एवं जीवित 3 नग कछुए की तस्करी करते हुए 3 आरोपी गिरफ्तार

नगरी (नव प्रदेश)। 13 दिसंबर को विश्वस्त सूत्रों से थाना प्रभारी सिहावा को सूचना मिली कि सप्ताहिक बाजार टांगापानी में कुछ व्यक्ति अवैध रूप से वन्य प्राणी व वन्य प्राणी के वस्तुओं को बेचने की फिराक में ग्राहक का इंतजार कर रहे हैं। उक्त सूचना मिलने पर पुलिस अधीक्षक बी.पी. राजभानू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रीमती मनीषा ठाकुर रावटे के मार्गदर्शन तथा पुलिस अनुविभागीय अधिकारी नगरी नीतिश ठाकुर के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी सिहावा विपिन लकड़ा तत्काल अपनी टीम के साथ मुखबिर सूचना की तस्दीक कर वैधानिक कार्यवाही करने रवाना हुए। उक्त टीम द्वारा सुरक्षा प्रबंध के साथ मुखबिर के बताए सप्ताहिक बाजार टांगापानी की घेराबंदी करते हुए रेड कार्यवाही की गई। रेड कार्यवाही में तीन संदेही व्यक्ति मिले, जिनका नाम पता पूछने पर अपना नाम ईश्वर साहू, तामेश्वर कश्यप एवं कुलेश्वर समुंद बताएं। जिनके सामानों की विधिवत तलाशी लेने पर ईश्वर साहू सांकरा के कब्जे से एक सफेद रंग की प्लास्टिक बोरी में हिरण (सांभर) की सींग जैसे छोटे बड़े चार सींग जिसमें से एक सींग में हिरण खोपड़ी जैसे हड्डी लगा हुआ, कीमती करीबन 30लाख, तामेश्वर कश्यप बिरगुड़ी के पास से दो काला रंग के कॉलेज बैग एवं एक कपड़े के थैला में अलग-अलग 1-1 नग जीवित कछुआ कुल 3 नग कछुआ कीमती करीबन 40हजार,कुलेश्वर समुंद बिरगुड़ी के पास रखे एक सफेद रंग के प्लास्टिक बोरी में तेंदुआ खाल जैसा खाल का 4 नग टुकड़ा एवं एक नग तेंदुआ खोपड़ी जैसा कीमती करीबन 5लाख जुमला कीमती 35,90,000रु बरामद हुआ। जिसके संबंध में पूछताछ करने पर संतुष्टिप्रद जवाब नहीं मिला। जिस पर मौके में वैधानिक कार्यवाही करते हुए उनके द्वारा प्रयुक्त मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 05 एए 9435 को जप्त कर तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया तथा उसके विरुद्ध थाना सिहावा में वन्य प्राणी संरक्षण अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक रिमांड हेतु माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है। संपूर्ण कार्यवाही में थाना प्रभारी सिहावा विपिन कुमार लकड़ा, सहायक उपनिरीक्षक राधेश्याम बंजारे, आरक्षक प्रमोद गाहड़े, योगेश सोम, अमित रावटे, यीश कुमार टंडन, मनोज ध्रुव युवराज ध्रुव व सहायक आरक्षक वीरेंद्र ध्रुव शामिल रहे।

वाल्मिकी समाज का जिला स्तरीय बैठक सम्पन्न

कांकेर (नव प्रदेश)। जिला वाल्मिकी कल्याण समाज कांकेर का दिन रविवार को टिकरापारा महर्षि वाल्मिकी महाराज मंदिर में जिला स्तरीय बैठक का आयोजन किया गया जिसमें समाज को एक जुटता बनाये रखने हेतु निर्णय लिया गया तथा समाज को जागरूक एवं शिक्षित रखने के लिए बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारीयों द्वारा कहा गया। बैठक में सर्वप्रथम प्रदेश में वाल्मिकी समाज की जनसंख्या हेतु व्यापक तरीके से प्रदेश के समस्त जिलों में बैठक आयोजित कर जनसंख्या की गणना करने का समस्त पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया तथा बाल्मिकी समाज हेतु भवन निर्माण के लिए समस्त सामाजिक बंधुओं को सहयोग करने की मांग गयी, बैठक में सामाजिकगणों के द्वारा युवक-युवती सम्मेलन हेतु परिचर्चा किया गया । बैठक में प्रमुख रूप से सरंक्षक किशोर वाल्मिकी, जिला अध्यक्ष सुरज वाल्मिकी, उपाध्यक्ष राहुल वाल्मिकी, सचिव जितेन्द्र नाग सहित सामाजिकगण उपस्थित थे।

मानसिक रोगियों की फिर से हो रही काउंसलिंग

बिलासपुर (नव प्रदेश)। बिलासपुर के सेंदरी स्थित राज्य मानसिक चिकित्सालय में बनाए गए राज्य मानसिक कोविड चिकित्सालय से डिस्चार्ज हुए मानसिक रोगियों की फिर से काउंसलिंग की जा रही है। राज्य मानसिक चिकित्सालय के चिकित्साधीक्षक डॉ. बीआर नंदा के निर्देश पर यहां के मनोवैज्ञानिक दिनेश कुमार लहरी सभी मरीजों से टेलीफोनिक व आडियो विजुअल माध्यम से संपर्क कर रहे हैं। वह न सिर्फ लोगों के वर्तमान हालत बल्कि उनके पूर्व की हिस्ट्री को भी खंगाल रहे हैं। ऐसा करके वह कोविड से ठीक हुए मरीजों के मानसिक रोग को फिर से ठीक करने पर लग गए हैं। इस कार्य में उनके साथ मनोरोग चिकित्सकों की टीम भी लगी हुई है। डॉ. लहरी ने बताया,÷जो मानसिक रोगी कोरोना संक्रमण की चपेट में आए थे उन्हें पूरे राज्य से लाकर राज्य मानसिक चिकित्सालय सेंदरी में बनाए गए कोविड अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अब तक यहां 42 कोरोना पॉजिटिव मानसिक रोगियों का इलाज किया जा चुका है। यहां से डिस्चार्ज होने के बाद उनके मानसिक रोग का इलाज ठीक से चल रहा है कि नहीं। दोबारा कोरोना संक्रमण बढ़ने से कहीं उनकी मानसिक बीमारी बढ़ तो नहीं गई है। उनके जीवन जीने यानि डेली का क्रिया कलाप सही चल रहा है कि नहीं, यह जानने के लिए उनकी दोबारा काउंसलिंग की जा रही है। वर्तमान में राज्य के ऐसे 22 मानसिक रोगियों की काउंसलिंग की जा रही है। इसके बाद अन्य मरीजों की काउंसलिंग की जाएगी।÷ दोबारा की जा रही इस काउंसलिंग के कार्य को एक रणनीति के तहत किया जा रहा है। इसमें मनोरोग चिकित्सकों की भी ड्यूटी लगाई गई है। डॉ. लहरी सबसे पहले ऑनलाइन माध्यम से मरीजों की काउंसलिंग करते हैं। इस दौरान यदि किसी मरीज में मानसिक बीमारी बढ़ी हुई लगी या कुछ अन्य समस्या हुई तो वह मनोरोग चिकित्सकों को यह केस सौंपते हैं।

जिले में अब तक 218830 क्विंटल धान की खरीदी

बलरामपुर (नव प्रदेश)। खरीफ विपणन वर्ष 2020-21 बलरामपुर-रामानुजगंज जिले 37 सहकारी समितियों के 40 धान उर्पाजन केन्द्रों के माध्यम से 32472 पंजीकृत किसानों से धान खरीदी की जा रही है। जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में अब तक 218830 क्विंटल धान की आवक हो चुकी है। जिसमें से 19004.40 क्विंटल मोटा धान एवं 199825.60 क्विंटल पतला धान की खरीदी हुई है। जिसमें मिलरों द्वारा मिलिंग हेतु 46380 क्विंटल धान का उठाव हो चुका है। जिले के सहकारी समिति कपिलदेवपुर में 5730.40, कुसमी में 7004, कामेश्वरनगर में 8382.80, कोदवा में 1167.60, गोपालपुर में 2307.60, भेंडरी 2057.60, चांदो में 5582, जमड़ी में 7978.80, जिगड़ी 1760, जोकापाठ (भरतपुर) में 638, डिण्डों में 12204, डीपाडीह में 2344.80 क्वींटल धान किसानों से खरीदा गया।

लाखों करोड़ों खर्च के बावजूद जंगल के जानवर भूखे प्यासे

भालुओं के रिहाइशी इलाकों में पहुचने का नहीं थम रहा सिलसिला

- वन विभाग के अफसरो को भनक तक नहीं
- भालू के हमले में बड़ी अनहोनी का इंतजार तो नही कर रही वन विभाग?
- सवालों के घेरे में वनविभाग की जामवंत योजना ?

नवप्रदेश संवाददाता

काँकेर। मुख्यालय में इन दिनों भालुओं का आतंक बढ़ता ही जा रहा है। सबसे पहले तो एक ओर ठंड का सर्द मौसन है दूसरी ओर शहर के अलग अलग हिस्सों में शादियों का सीजन भी चल रहा है।ऐसे समय मे 8 बजे रात के भालु शहरीय इलाक़ो में पहुँच रहे है।वन विभाग महज भालुओं के शहर की ओर रुख करने को लेकर औपचारिकता निभाते नज़र आती है। नगर के विभिन्न इलाकों में 3 भालुओं का लगातार आने जाने से लोगो में भय का माहौल बना हुआ है।बता दे की नगर के कई रिहाइशी इलाक़ो में भालू रात में विचरण करते शहर के अलग अलग वार्डो में देर रात निकलते जा रहे है।भालुओं के लगातार शहर आने के बावजूद वनविभाग सुध लेते दिखाई नही दे रहा है।रविवार रात तकरीबन 8 बजे सजंय नगर के रिहायशी इलाके में तीन भालु खाने की तलाश में पहुँच गए।सजंय नगर में शादी का आयोजन चल रहा था।शादी वाले घर के निकट ही मादा भालु अपने दो बच्चों के साथ पहुँच गई ।किसी तरह से लोगो के हो हल्ला मचाने के बाद भालु वहाँ से निकल गए लेकिन 10 मिनट बाद पुनः भालू उसी के आसपास पहुँच गए ।भालुओ की खबर सोसल मीडिया में आने के बाद वन अमला देर रात संजय नगर पहुचकर भालुओ को ढूंढता रहा ।लेकिन वनविभाग को भालू कही दिखाई नही दिया गया।

वन विभाग को भालुओं के हमले से कोई बड़ी अनहोनी का इंतज़ार तो नही बड़ा सवाल?: शहर में लगातार जंगल से दाना पानी की तलाश में मादा भालू अपने दो बच्चों के साथ नगर के इलाके में पहुंच रहे है।रात के दौरान भालू नगर के अलग अलग वार्डो में घरों तक पहुँचने लगे है।इस तरह भालुओ के रोज़ाना निकलने से नगर के लोग भयभीत है। अब सवाल यह उठता हैं।की रोजाना जंगल के जानवर शहर पहुँच रहे है।और आमजनो में भय का माहौल बना हुआ है। लेकिन वनविभाग की कुम्भकर्णीय नींद नही खुली है।मानो ऐसा लग रहा है।कि वनविभाग को भालुओ के द्वारा कोई अनहोनी होने का इंतजार के बाद कुम्भकर्णीय नीद से जागेगी ।

हर वर्ष करोड़ों खर्च के बावजूद जामवंत योजना फेल ?

बता दे की राज्य सरकार प्रति वर्ष लाखो करोडो खर्च कर जंगल के जानवरो के लिए फलदार पेड़ पानी के लिए तालाब व फलदार पेड़ पौधे लगाकर जंगल को हराभरा रखने की कवायद करती है।लेकिन लगातार कटते जंगल जंगल मे अतिक्रमण के अलावा वीरान होते जंगल के आभाव में जंगल के जानवर खाना पानी की तलाश में शहर पहुंच रहे है।भालुओ की रोजाना शहर में निकलने की बात भी आम सी हो चुकी है।बड़ा सवाल यह है कि राज्य सरकार जंगल के रखरखाव के लिए लाखों करोड़ों खर्च किए जाने के बावजूद जंगल में पर्याप्त मात्रा में जंगली जानवरों के खाने पीने की व्यवस्था पर वनविभाग की कार्यशैली पर सवालिया निशान लगा रहा है?

भूखे प्यासे भटक रहे जंगली जानवर, वनविभाग की कार्यशैली पर लग रहा सवालिया निशान ?

संसदीय सचिव 184.02 लाख के कार्यों की स्वीकृति करायी गई

नव प्रदेश संवाददाता

कांकेर। संसदीय सचिव छ.ग. शासन एवं विधायक कांकेर शिशुपाल शोरी के अथक प्रयासों से विद्यालय, अस्पताल, आंगनबाड़ी, महाविद्यालय आदि स्थानों पर सुगमता से आवागमन हेतु मुख्यमंत्री सुगम सड़क योजनान्तर्गत शासकीय भवनों में पक्का पहुंच मार्ग निर्माण हेतु 4521 मीटर की कुल राशि 184.02 लाख की प्रशासकीय स्वीकृति करायी गई है। जिसमें नरहरपुर वि.ख. के निम्नांकित कार्य शामिल है सी.सी. सड़क निर्माण कार्य शीतला मंदिर से प्राथमिक शाला मुड़पार ब्लाक नरहरपुर राशि 13.38 लाख, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य मुख्य मार्ग से चोरिया बड़ेपारा प्राथमिक शाला तक नरहरपुर राशि 6.23 लाख, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य मुख्य मार्ग से नवीन महाविद्यालय सरोना तक ग्राम सरोना राशि 11.00 लाख, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य हलाल घर से प्राथमिक शाला अंजनी तक कांकेर राशि 3.76 लाख, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य देवरीबालाजी प्राथमिक शाला तक नरहरपुर राशि 5.83 लाख, सी.सी. सड़क निर्माण कार्य ग्राम झलियामारी आंगनबाड़ी से प्राथमिक शाला तक नरहरपुर राशि 6.23 लाख, हाई स्कूल तक ग्राम नावडबरी नरहरपुर राशि 15.05 लाख, निर्माण कार्यो हेतु आदेश जारी किया गया है।

दुर्घटना के प्रकरण रोकने के लिये आवश्यक कदम उठायें-कलेक्टर

रायगढ़ (नव प्रदेश)। कलेक्टर भीम सिंह की अध्यक्षता में आज कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक संपन्न हुई। बैठक में कलेक्टर श्री सिंह ने शहर के चिन्हित ब्लेक स्पॉट (दुर्घटना जन्य स्थलों) पर आवश्यक सुधार कार्य करने के निर्देश दिये। उन्होंने बाजार क्षेत्र के भीड़ भाड़ वाले इलाकों से अवैध रूप से लगाये जा रहे ठेलों में व्यवसायियों को व्यवस्थापन करने और जिन व्यापारिक प्रतिष्ठानों ने अपनी दुकानों के सामने अतिक्रमण किया है उनकी बैठक आयोजित कर समझाईश देकर अतिक्रमण हटाने अन्यथा अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही करने के निर्देश दिये। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रभारी निगम आयुक्त और ट्रैफिक डीएसपी को निर्देशित किया कि शहर में पार्किंग व्यवस्था के लिये स्थान चयनित कर इसकी जानकारी आम नागरिकों को सूचित करें। उन्होंने नगर निगम प्रभारी आयुक्त, पुलिस विभाग के अधिकारियों तथा पीडब्ल्यू डी के अधिकारियों को निर्देशित किया।

स्वछता साक्षरता जागरूकता कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

कांकेर (नव प्रदेश)। कांकेर के ग्राम मालगांव छिंदपारा में नाबार्ड के मार्गदर्शन व विज्ञान सभा जन विज्ञान केन्द्र मुड़पार के सहयोग से स्वच्छता साक्षरता कार्यक्रम का आयोजन किया गया कार्यक्रम में सेन्ट्रल बैंक आफ इंडिया के शाखा प्रबंधक श्री अभय कुमार साहु ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय निर्माण स्वच्छता संबंधी कार्यो को विशेष प्राथमिकता के क्षेत्र में जोड़ा गया है समुह के माध्यम से विभिन्न प्रकार के ऋण की सुविधा बैंक के माध्यम से प्रदान की जाती है । श्री दीपक शंकर जैन सामाजिक कार्यकर्ता ने बताया कि कोविड-19 के प्रभाव को देखते हुये हमें व्यक्तिगत व सामुहिक रूप से स्वच्छता के उपर ज्यादा जागरूक रहने की आवश्यकता है । मालगांव पंचायत की सरपंच श्रीमती सुमित्रा कोमरे ने बताया कि स्वच्छ भारत मिशन अंतर्गत शौचालय का निर्माण कराया गया है लेकिन घरों में पानी का कनेक्शन के अभाव के कारण लोगों को असुविधा होती है।

कलेक्टर ने दिखाई बाईक रैली को हरी झंडी

कोरिया (नव प्रदेश)। राज्य शासन की मंशानुरूप राम वन गमन परिपथ पर पर्यटन रथ यात्रा और विशाल बाईक रैली का शुभारंभ आज कोरिया जिले के सीतामढ़ी-हरचैका से हुआ। हरचैका से घघरा-छत्तौड़ा-गांगीरानी-सोनहत से देवगढ़ होते हुए जिले की सीमा पर टेमरी में यात्रा का नेतृत्व सूरजपुर जिले के बाइकिंग समूह को हस्तांतरित किया जाएगा। आज 14 दिसम्बर 2020 को जिले के विकासखण्ड भरतपुर के हरचैका से सविप्रा उपाध्यक्ष एवं भरतपुर-सोनहत विधायक श्री गुलाब कमरो एवं कलेक्टर श्री एसएन राठौर ने हरी झंडी दिखाकर पर्यटन रथ यात्रा व बाइक रैली का शुभारंभ किया। पर्यटन रथ यात्रा व बाइक रैली शुभारंभ के अवसर पर सविप्रा उपाध्यक्ष व भरतपुर-सोनहत विधायक श्री गुलाब कमरो ने सभी जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, बाइकर्स एवं आम जन का स्वागत किया एवं रामायण काल में भगवान श्रीराम के छत्तीसगढ़ आगमन पर, जहां-जहां उनके पदचिन्ह पड़े।

पत्थलगांव के पुरानी बस्ती सड़क पर निकला कोबरा

पत्थलगाव (नव प्रदेश)। पत्थलगाँव से पुरानी बस्ती रोड पर कोबरा के निकलने से जाम की स्थिति पैदा हो गई। लगभग पांच फीट लंबा किंग कोबरा सांप सड़क के बीचोंबीच अचानक गया। जिससे वहां से गुजर रहे लोगों में दहशत फैल गई। जिसने भी नाग को देखा वह वहीं थम गया। जो भी उसे हटाने की कोशिश करता, उसकी तरफ ही सांप फुंफकारने लगता। जिससे लोग भी डर कर पीछे हट जाते। उसी रास्ते से गुजर रहे स्वस्थ कर्मी कृष्णा मिर्रे ने इसकी सूचना पत्थलगांव के एल्डर मैन सह स्नेक रेस्क्यू बबलू तिवारी को सूचना दी । सूचना के बाद में पहुंचे और बहादुरी दिखाते हुए एक रुमाल की मदद कोबरा को पकड़ कर जंगल मे छोड़ दिया तब जाकर ट्रैफिक बहाल हो पाया। हुआ यूं कि दोपहर करीब तीन बजे लैलूंगा जानेवाली मार्ग के पुरानीवास्ती के समीप सड़क पार करने के लिए एक किंग कोबरा निकल पड़ा। लेकिन जब वो बीच सड़क पर पहुंचा तो सामने से बाइक गई।

मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ हेतु सभी तैयारियां पूर्ण

नव प्रदेश संवाददाता

नारायणपुर। जिले में मलेरिया मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान आज 15 दिसम्बर 2020 से 31 जनवरी 2021 तक जिले के ग्रामीण क्षेत्र में संचालित किया जायेगा। इसके तहत् नगरीय क्षेत्रों को छोड़कर संपूर्ण ग्रामीण क्षेत्रों में मलेरिया की जांच की जायेगी। इस अभियान के सफल क्रियान्वयन के लिए आज यहां कलेक्टोरेट के सभाकक्ष में कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने मलेरिया जांच के लिए अब तक के लिए की गयी व्यवस्थाओं और तैयारियों संबंध में स्वास्थ्य विभाग सहित अन्य विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान के संबंध में ग्रामीणों को व्यापक जानकारी देने की व्यवस्था की जाये। ताकि अधिक से अधिक लोग जागरूक होकर अपना मलेरिया जांच कराना सुनिश्चित करें। इसके लिए उन्होंने गांवों में मुनादी कराने के भी निर्देश दिये हैं। कलेक्टर श्री सिंह ने कहा कि जनप्रतिनिधी आमजन के सबसे निकट होते हैं। लोगों को जागरूक करने और अधिक से अधिक मलेरिया जांच कराने में आम लोगों को प्रेरित करने में जनप्रतिनिधियों की महति भूमिका होती है। जनप्रतिनिधियों एवं क्षेत्र के सरपंच, पंच आदि का व्यापक सहयोग अपेक्षित है।

पटवारी गए बेमुद्दत हड़ताल पर

बिलासपुर (नव प्रदेश)। प्रदेश भर के पटवारी आज से बेमुद्दत हड़ताल पर चले गए है । उनकी 9 प्रमुख मांगे है जिसे मनवाने के लिए बिलासपुर समेत पूरे प्रदेश के पटवारियों ने आज से अनिश्चित कालीन हड़ताल शुरू कर दिया है । पटवारियों की हड़ताल से सीमांकन ,नामांतरण ,पटवारी प्रतिवेदन ,नक्शा खसरा बी वन अस्थाई निवास व आय प्रमाण पत्र जैसे रोजाना कार्यो के लिए आम नागरिकों ,किसानों आदि को भटकना पड़ेगा सबसे उल्लेखनीय बात यह है कि कलेक्टर ,कमिश्नर , एस डी एम ,तहसीलदार के एकदम नजदीकी रहने वाले राजस्व विभाग की महत्व पूर्ण कड़ी यानि पटवारियों को बिलासपुर में आज हड़ताल शुरू करने काफी जद्दोजहद करना पड़ा क्योंकि कोन्हेर गार्डन में प्रशासन ने कोरोणा का हवाला दे बैठने की अनुमति नहीं दी और ट्रैफिक तथा पुलिस के जवान उन्हें वहां से उठाने के लिए पहुंच गए।

भरतपुर विकासखण्ड अंतर्गत हरचौका से पर्यटन रथ यात्रा एवं विशाल बाईक रैली का आयोजन

- हरचौका से कोरिया जिले की सीमा टेमरी तक हुई बाइक रैली आयोजित

नव प्रदेश संवाददाता

बैकुंठपुर। जिले के विकासखण्ड भरतपुर के हरचौका से सुबह 8 बजे सविप्रा उपाध्यक्ष एवं भरतपुर-सोनहत विधायक गुलाब कमरो के मुख्य आतिथ्य व कलेक्टर कोरिया की उपस्थिति में पर्यटन रथ यात्रा व बाइक रैली का शुभारंभ हुआ जो कोरिया जिले की सीमा टेमरी तक पर्यटन रथ यात्रा एवं बाईक रैली का आयोजन हुआ। जहां संसदीय सचिव एवं बैकुण्ठपुर विधायक श्रीमती अंबिका सिंहदेव की मौजूदगी में कोरिया जिले से नेतृत्व सूरजपुर जिले को सौंपा गया जहा बैकुंठपुर विधायक के द्वारा शासन की इस पहल की सराहना की गई वही इसके पस्चात सुरजपुर जिले के अधिकारियों की उपस्थिति में यह बाईक रैली सुरजपुर जिले के लिए रवाना हुई वही कोरिया कलेक्टर एस एन राठौर के मार्गदर्शन में इस आयोजन को सफल बनाने हेतु तैयारियां पूर्ण कर ली गई थी ।

पर्यटन रथ यात्रा एवं बाईक रैली का आयोजन राम वन गमन परिपथ पर हरचौका-घाघरा-छत्तौड़ा-गांगीरानी-सोनहत-देवगढ़ के नानभान से कोरिया जिले की सीमा टेमरी के करौंदामुड़ा नाला तक पहुँचने के तत्पश्चात टेमरी से कोरिया जिले के बाइकिंग समूह द्वारा सूरजपुर जिले के बाइकिंग समूह को नेतृत्व हस्तांतरण किया गया । पर्यटन रथ यात्रा व बाइक रैली को भक्तिमय बनाने यात्रा के चिन्हांकित प्रत्येक विश्राम स्थल पर रामायण पाठ, लोकगीत की प्रस्तुति किया गया वही जिले की सीमा के अंतिम विश्राम स्थल से नया बाइकिंग समूह रैली में शामिल हुआ जो कि सुरजपुर जिले के सभी राम वन पथ गमन मार्ग होते हुए सरगुजा की सीमा में प्रवेश करेगा।

सम्मान | संयंत्र और टाउनशिप की सुरक्षा, अनेक राहत कार्यों को संचालित करने में मिल रही मदद

पुलिस अधीक्षक ने उत्कृष्ट कार्यों के लिए सिक्योरिटी टीम को सम्मानित किया

नव प्रदेश संवाददाता

बालकोनगर। वेदांता समूह की कंपनी भारत एल्यूमिनियम कंपनी लिमिटेड (बालको) की सिक्योरिटी टीम को उत्कृष्ट कार्यों के लिए कोरबा के पुलिस अधीक्षक श्री अभिषेक मीणा ने सम्मानित किया। बालकोनगर थाना परिसर में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित सम्मान समारोह में बालको टीम को प्रशस्ति पत्र और स्मृति चिह्न भेंट किए गए। बालको के प्रशासन एवं सिक्योरिटी प्रमुख श्री अवतार सिंह की अगुवाई में बालको टीम ने सम्मान ग्रहण किया। श्री मीणा ने अपने उद्बोधन में बालको सिक्योरिटी टीम की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि बालकोनगर क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने में बालको की सिक्योरिटी टीम का प्रशंसनीय योगदान है।

देश की अग्रणी और छत्तीसगढ़ की एकमात्र एल्यूमिनियम उत्पादक कंपनी बालको ने सिक्योरिटी प्रणालियों की मजबूती की दिशा में डिजिटलाइजेशन की पहल की है। जिला प्रशासन के समन्वयन में बालको सिक्योरिटी टीम के उत्कृष्ट प्रबंधन का ही परिणाम है कि बालकोनगर के नागरिक स्वयं को सुरक्षित महसूस करते हैं। बालको के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं

निदेशक श्री अभिजीत पति ने कहा कि बालको में कार्यरत कर्मचारियों, उनके परिवारजनों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा बालको प्रबंधन के लिए महत्वपूर्ण है। बालको उन अग्रणी कंपनियों में शामिल है जिसने अपनी सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता बनाने के लिए डिजिटल और स्मार्ट तकनीकों को लागू किया। जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में बालकोनगर और आसपास के क्षेत्रों में बालको सुरक्षा को मजबूती देने में योगदान दे रहा है। श्री पति ने पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को उनकी सेवा भावना और लोगों की मदद करने की प्रतिबद्धता की प्रशंसा की। उन्होंने यह भी कहा कि कोरोना के वर्तमान चुनौतीपूर्ण समय में महामारी की रोकथाम के लिए पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों ने उत्कृष्ट योगदान दिया। सिक्योरिटी प्रबंधन की दिशा में बालको ने महत्वपूर्ण नवाचार करते हुए अत्याधुनिक सेंट्रलाइज्ड सिक्योरिटी ऑपरेशंस सेंटर (सी.एस.ओ.सी.) की स्थापना की है। इसका उद्देश्य बालको के प्रचालन, कार्यरत कर्मचारियों और परिसंपत्तियों की सुरक्षा को मजबूती देना है। सिक्योरिटी ऑटोमेशन के जरिए विभिन्न कार्य क्षेत्रों में बालको का संचार और सुरक्षा प्रबंधन उत्तरोत्तर प्रगति की ओर है। संचार और सुरक्षा के क्षेत्र में अपनाई गई बालको की तकनीकें मिसाल हैं। इन स्मार्ट तकनीकों ने कोविड-19 के कारण उत्पन्न परिस्थितियों में कर्मचारियों तक प्रभावी संवाद स्थापित करने और उन्हें कोविड-19 संबंधी अनेक प्रोटोकॉल की जानकारी निरंतर मुहैया कराने की दिशा में अपना महत्व साबित किया है। सी.एस.ओ.सी के जरिए घटनाओं की छानबीन के लिए आधुनिक सिक्योरिटी एनालिटिक्स, कार्यस्थल पर तैनात सिक्योरिटी संसाधनों के बीच प्रभावी तालमेल और रणनीतिक सूचनाओं के एकत्रण को प्रभावी बनाया गया है।

धान की बंपर आवक परिवहन नहीं खरीदी बंद करने की स्थिति निर्मित

देवभोग। जिम्मेदार अधिकारियों द्वारा परिवहन ठेकेदार को ढील देने के चलते 14 दिन के धान खरीदी में एक दाना धान का उठाव नहीं हो पाया है। जबकि सरकार और परिवहन ठेकेदार के बीच 72 घंटे के भीतर उपार्जन केंद्र से धान उठाव करने के लिए अनुबंध लिया जाता है। बावजूद इसके परिवहन में लापरवाही जमकर बरती जा रही है। जिसका खामियाजा आने वाले दिनों में किसानों को भुगतना पड़ेगा क्योंकि क्षमता से अधिक धान रखने से जाम की स्थिति निर्मित होती है। और मजबूरन समिति को धान खरीदी बंद करना पड़ता है। वर्तमान में लाटापारा के साथ अन्य उपार्जन केंद्रों में धान खरीदी बंद करने की नौबत आ गई है। सबसे आश्चर्य की बात तो यह है कि नए उपार्जन केंद्रों की क्षमता इतनी अधिक बढ़ा दि गयी है। जिसकी कल्पना भी नहीं किया जा सकता 20000 क्विंटल धान रखने के लिए लिमिट रखा है। जबकि नए केंद्रों में चबूतरा निर्माण नहीं होने के साथ धान रखने के लिए व्यवस्थित जगह तक नहीं है। एक ओर देवभोग को 6000 क्विंटल धान रखने की क्षमता माना गया है। तो दूसरी ओर बिना व्यवस्थित उपार्जन केंद्र रोहनागुड़ा और खोकसरा मैं 20000 क्विंटल धान रखने के लिमिट बताई जा रही है। ऐसे में ऑनलाइन परिवहन में ठेकेदार को सहूलियत।मिलेगी और परिवहन में जमकर लापरवाही बरती जा रही है। जबकि उपार्जन केंद्र पर क्षमता से दोगुना धान रखा गया है। जिसकी रख रख वाली की चिंता समिति को सताने के साथ किसानों को भी हो रही है। क्योंकि यही स्थिति बनी रही तो खरीदी बंद होगी कुछ केंद्रों में तो धान खरीदी बंद करने के लिए बैठक को का दौर शुरू कर दिया है। जिससे स्थानीय से लेकर जिला अधिकारी भी अच्छी तरह अवगत हैं। लेकिन अफसोस की बात है की परिवहन को लेकर अब तक गंभीर नहीं है। जिसकी भरपाई अंतिम में समिति को करना पड़ेगा।

केंद्र का नाम	खरीदी गई धान	धान रखने की क्षमता
देवभोग	14 हजार 700	6 हजार क्विंटल
लाटापारा	14 हजार 750	10 हजार 456
निस्टीगुड़ा	7 हजार 840	11 हजार 500
झाखरपारा	11 हजार 368	10 हजार
झिरीपानी	8 हजार 9 सौ	10,000 क्विंटल
खोकसरा	6 हजार सेअधिक	20 हजार
दीवानमुड़ा	करीब 13 हजार	20 हजार
गोहरापदर	9 हजार 56 क्विंटल	5 हजार
सीना पाली	7 हजार 629	10हजार क्विंटल

> शासन से शीघ्र अनुमति मिलने वाला है आदेशानुसार जल्द ही उठाव क्या जाएगा
>
> **अमित चंद्राकर,**
> डीएमओ गरियाबंद

लोनर हाथी ने फिर ली एक ग्रामीण की जान

आक्रोशित ग्रामीणों ने वन अमले को बंधक बनाया

कोरबा। फॉरेस्ट डिवीजन कटघोरा के पसान रेंज में फिर एक ग्रामीण की जान ले ली है। आक्रोशित ग्रामीणों ने वन विभाग के कर्मचारियों को बंधक बना लिया। कटघोरा वनमंडलाधिकारी के कार्यप्रणाली पर पाली तानाखार विधायक ने सवाल उठाते हुए हटाने की मांग की है। उन्होंने कहा है मैडम के कामकाज से क्षेत्रवासी परेशान हो रहे है। ऐसे अक्कड़बाज डीएफओ को हटाकर काबिल अफसर की तैनाती करने वनमंत्री को चिट्ठी लिखा है। कोरबा जिले के पोड़ी उपरोड़ा विकासखंड एवं कटघोरा वन मंडल के सुदूर वनांचल ग्राम पसान रेंज के अंतर्गत तनेरा (जलके) सर्किल क्षेत्र में 1 सप्ताह के भीतर हिंसक हाथी दतैल के जानलेवा हमले से 3 ग्रामीणों की मौत हो चुकी हैं। लेमरू रेंज के बड़गांव, में एक वृद्ध महिला को हाथी ने कुचला था।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत हरदेवा के घुटरा पारा में 13 दिसंबर के बीते रात्रि लगभग डेढ़ बजे के दरमियान गांव में निवासरत बुधराम सिंह पिता हुबलाल उम्र 62 वर्ष जाती गोंड अपने घर में भोजन कर सो रहा था तभी अचानक गांव में दो दतैल हाथी घुस अकेले एक झोपड़ी में सो रहा वृद्ध के ऊपर जान लेवा हमला कर उसे अपने सूंड से पकड़कर बुरी तरह पटक कर क्षत-विक्षत कर दिया जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई।

विधायक ने लिखा हटाने की छेड़ी मुहीम

कटघोरा वनमण्डल में पदस्थ शमां फ़ारूक़ी अपनी पदस्थापना के दौरान ही आईएफ़एस अवार्ड हुई थी। जिसके बाद उन्हें कटघोरा वनमंडल का पूर्ण प्रभार सौंप दिया गया था। बता दें कि शमां फ़ारूक़ी शुरू से अपने कामकाज के तरीकों को लेकर जनप्रतिनिधि और मीडिया के निशाने पर रही है। उनपर ना सिर्फ निर्माण कार्यों में गड़बड़ी के आरोप लगते रहे बल्कि मजदूरों के भुगतान और मातहत रेंजरों की मनमानी की खबरे भी सामने आती रही है। उनके ही कार्यकाल में अबतक तीन हाथियों एक तेंदुए की मौत भी हो चुकी है बावजूद प्रदेश का वन महकमा उनपर पूरी तरह मेहरबान नजर आ रहा है।